व्यवहारिक हिन्दी

B21HD01GE

Generic Elective Course - Hindi for UG Programmes

Self Learning Material

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

The State University for Education, Training and Research in Blended Format, Kerala

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Vision

To increase access of potential learners of all categories to higher education, research and training, and ensure equity through delivery of high quality processes and outcomes fostering inclusive educational empowerment for social advancement.

Mission

To be benchmarked as a model for conservation and dissemination of knowledge and skill on blended and virtual mode in education, training and research for normal, continuing, and adult learners.

Pathway

Access and Quality define Equity.

SGOU

व्यवहारिक हिन्दी

Course Code: B21HD01GE

Semester - V

Generic Elective Course - Hindi for UG programmes Self Learning Material

(with Model Question Paper Sets)

SREENARAYANAGURU
OPEN UNIVERSITY

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

The State University for Education, Training and Research in Blended Format, Kerala

व्यवहारिक हिन्दी

Course Code: B21HD01GE
Semester- V
Generic Elective Course - Hindi
for UG Programmes

SREENARAYANAGURU
OPEN UNIVERSITY

Academic Committee

Dr. Jayachandran R.
Dr. Pramod Kovvaprath
Dr. P.G. Sasikala
Dr. Jayakrishnan J.
Dr. R. Sethunath
Dr. Vijayakumar B.
Dr. B. Ashok

Development of Content

Sudha T., Dr. Indu G. Das

Review and Edit

Dr. Suma S.

Linguistics

Dr. Suma S.

Scrutiny

Christina Sherin Rose K.J.
Dr. Sudha T.
Krishna Preethy A.R.
Dr. Indu G. Das

Design Control

Azeem Babu T.A.

Cover Design

Lisha S.

Co-ordination

Director, MDDC :
Dr. I.G. Shibi
Asst. Director, MDDC :
Dr. Sajeevkumar G.
Coordinator, Development:
Dr. Anfal M.
Coordinator, Distribution:
Dr. Sanitha K.K.

Scan this QR Code for reading the SLM on a digital device.

Edition:
January 2025

Copyright:
© Sreenarayanaguru Open

ISBN 978-81-982562-1-8

All rights reserved. No part of this work may be reproduced in any form, by mimeograph or any other means, without permission in writing from Sreenarayanaguru Open University. Printed and published on behalf of Sreenarayanaguru Open University by Registrar, SGOU, Kollam.

www.sgou.ac.m

Visit and Subscribe our Social Media Platforms

MESSAGE FROM VICE CHANCELLOR

Dear learner,

I extend my heartfelt greetings and profound enthusiasm as I warmly welcome you to Sreenarayanaguru Open University. Established in September 2020 as a state-led endeavour to promote higher education through open and distance learning modes, our institution was shaped by the guiding principle that access and quality are the cornerstones of equity. We have firmly resolved to uphold the highest standards of education, setting the benchmark and charting the course.

The courses offered by the Sreenarayanaguru Open University aim to strike a quality balance, ensuring students are equipped for both personal growth and professional excellence. The University embraces the widely acclaimed "blended format," a practical framework that harmoniously integrates Self-Learning Materials, Classroom Counseling, and Virtual modes, fostering a dynamic and enriching experience for both learners and instructors.

The university aims to offer you an engaging and thought-provoking educational journey. As part of the UG curriculum, the Generic Elective course *व्यवहारिक हिन्दी* is designed to enhance learners' practical proficiency in Hindi. This course focuses on strengthening communication skills for real-life applications, emphasizing spoken and written Hindi in professional and social contexts. The material ensures a structured approach to language learning, covering functional grammar, vocabulary, and everyday usage. Both the Self Learning Materials and virtual modules are designed to fulfil these requirements.

Rest assured, the university's student support services will be at your disposal throughout your academic journey, readily available to address any concerns or grievances you may encounter. We encourage you to reach out to us freely regarding any matter about your academic programme. It is our sincere wish that you achieve the utmost success.

Regards,
Dr. Jagathy Raj V. P.

01-02-2025

Contents

Block 1 मानक हिन्दी का उच्चारण और बातचीत.. 1

इकाई 1 घर में, बाजार में, रसोई में, होटल में, दोस्तों के बीच, बच्चों के बीच, माँ बाप के बीच, भाई–बहन के बीच के वार्तालाप। (വിവിധതരം സംഭാഷണങ്ങൾ).................................. 2

इकाई 2 विद्यालय में, दफ्तर में, कॉलेज में, डाकघर में, रेलवे स्टेशन में, बैंक में, थाने में, हवाई अड्डे पर, अस्पताल में।.. 12

इकाई 3 सड़क पर, पुस्तकालय में, सब्जीवाले के साथ.. 20

इकाई 4 किसी वरिष्ठ कवि से साक्षात्कार.. 25

इकाई 5 फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार.. 29

Block 2 रचनात्मक कार्य (पल्लवन) एवं भाषण कला.. 33

इकाई 1 कहानी पूरा करना - एक राजा था.. 34

इकाई 2 घर में एक अंधी रहती थी.. 38

इकाई 3 एक दिन.... 42

इकाई 4 खरगोश और कछुए ने दौड़ लगायी... 45

इकाई 5 भाषण का अभ्यास.. 48

Model Question Paper Sets.. 53

SGOU

BLOCK - 01

मानक हिन्दी का उच्चारण और बातचीत

इकाई 1

घर में, बाजार में, रसोई में, होटल में, दोस्तों के बीच, बच्चों के बीच, माँ बाप के बीच, भाई-बहन के बीच के वार्तालाप। (വിവിധതരം സംഭാഷണങ്ങൾ)

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- हिन्दी भाषा बोलने में सक्षम बनता है
- सामान्य व्याकरण के सही उपयोग को समझता है
- रोज़मर्रा की संज्ञाओं से परिचित होता है सरल वाक्य बनाने की क्षमता होता है

(ഹിന്ദി സംസാരിക്കുവാൻ പ്രാപ്തരാക്കുന്നു, വ്യാകരണത്തിന്റെ ശരിയായ ഉപയോഗം, ദൈനംദിനം ഉപയോഗിക്കുന്ന പദങ്ങൾ എന്നിവ പരിചയപ്പെടുന്നു, ചെറിയ ചെറിയ വാക്കുകൾ ഉണ്ടാക്കാൻ പ്രാപ്തരാക്കുന്നു.)

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

वार्तालाप या बातचीत मनुष्य द्वारा समाज में परस्पर संपर्क कायम करने का एक बहुपक्षीय और स्वाभाविक माध्यम है इससे मनुष्य अपने विचारों का आदान प्रदान करता है। वार्तालाप विश्लेषण समाजशास्त्र की वह शाखा है जो मानव अंतर क्रिया की बनावट और संगठन का अध्ययन करती है, जिसमें वार्तालाप का संपर्क विषय प्रमुख होता है। वार्तालाप ही समाज में, संस्थान में, कार्यालय में, देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने का सशक्त माध्यम है आप विनम्रता जैसे तत्वों को अपनाकर वार्तालाप को प्रभावशाली बना सकते है वार्तालाप में सिर्फ बात करना ही महत्वपूर्ण नहीं होता है अपितु दुसरों की बातों को ध्यान से सुनना और समझना भी ज़रूरी होता है।

മനുഷ്യൻ തന്റെ ആശയങ്ങൾ പരസ്പരം പങ്കുവയ്ക്കുന്നത് സംഭാഷണങ്ങളിലൂടെയാണ്. മനുഷ്യന്റെ ദൈംദിനകാര്യങ്ങളിലെല്ലാം സംഭാഷണങ്ങൾ കടന്നുവരുന്നു. സമൂഹത്തിൽ പരസ്പരം ഇടപെടുന്നതിന് ഓഫീസുകളിൽ, മാർക്കറ്റിൽ, വീടുകളിൽ, മറ്റ് പൊതുസ്ഥലങ്ങളിലെല്ലാം തന്നെ ഇവയ്ക്ക് പ്രസക്തിയുണ്ട്. കാര്യങ്ങൾ പറയുന്നതിനു വേണ്ടി മാത്രമല്ല മറിച്ച് മറ്റുള്ളവരുടെ കാര്യങ്ങൾ ശ്രദ്ധയോടെ കേൾക്കാനും മനസ്സിലാക്കാനും സംഭാഷണങ്ങൾ ആവശ്യമാണ്.

Keywords / मुख्य बिन्दु

खरीदारी, सब्ज़ियों, वर्कआउट, सकारात्मक, शिष्टाचार

Discussion / चर्चा

हिन्दी भाषा का संवाद बहुत ही सरल और सहज हो सकता है, यदि हम इसे सही तरीके से सीखें और अभ्यास करें। हिन्दी में संवाद की शुरुआत आमतौर पर अभिवादन से होती है, जैसे 'नमस्ते' या 'नमस्कार', जो शिष्टाचार के प्रतीक हैं। फिर, आप अपने बारे में जानकारी दे सकते हैं, जैसे 'मेरा नाम [आपका नाम] है', या 'मैं [आपका शहर/देश] से हूँ।' इसके बाद, आप किसीसे उनकी तबियत, काम या दिनचर्या के

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

बारे में पूछ सकते हैं, जैसे 'आप कैसे हैं?' या 'आपका दिन कैसा रहा?'

हिन्दी में संवाद करते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि सही शब्दों का चुनाव किया जाए। अगर आप किसीसे सीधे सवाल पूछ रहे हैं, तो 'कृपया' या 'क्या आप मुझे बता सकते हैं?' जैसे शिष्ट शब्दों का प्रयोग करें। हिन्दी में व्याकरण का भी खास ध्यान रखना चाहिए, ताकि वाक्य स्पष्ट और समझने में आसान हों। इसके अलावा, जब आप किसीसे मिलने या किसी परिचित व्यक्ति से बात कर रहे होते हैं, तो सम्मान और आदर के शब्दों का प्रयोग करें, जैसे 'आप', 'जी', 'कृपया', 'धन्यवाद' आदि। यह भाषा की शिष्टता को बढ़ाता है और आपकी बातचीत को सकारात्मक दिशा में ले जाता है।

सामान्य हिन्दी संवाद में दैनिक जीवन के विषयों पर बात की जाती है, जैसे मौसम, परिवार, कार्य, पढ़ाई, या शौक। उदाहरण केलिए, 'आपका परिवार कैसा है?' या 'आप क्या करते हैं?' ऐसे सामान्य प्रश्नों से बातचीत शुरू हो सकती है और फिर धीरे-धीरे आप आपस में अधिक जानकारी साझा कर सकते हैं। हिन्दी में बातचीत का अभ्यास करने से आप अपनी भाषा पर पकड़ मजबूत कर सकते हैं, जिससे संवाद और भी बेहतर और प्रभावी होता है।

1.1.1 घर में

माँ : बेटा, ज़रा बाज़ार जाकर सब्जी ले आना।

माधव : अभी जाना है क्या?

माँ : हाँ बेटा, शाम केलिए कुछ बचा नहीं है।

माधव : माँ, मेरा कुछ काम है। क्या मैं उसे निपटाकर जाऊं?

माँ : हाँ बेटा, बिल्कुल, लेकिन ज्यादा देर मत करना। बारिश भी होनेवाली है।

माधव : हाँ माँ, अभी निपटाता हूँ।

माँ : मैं तुम्हें खरीदारी की सूची दे देती हूँ।

माधव : जी माँ, तब तक मैं यह काम भी पूरा करता हूँ।

माँ : तुम चाय पिओगे?

माधव : हाँ, साथ में पकौड़े भी देना।

माँ : जी बेटा।

(വീട്ടിൽ അമ്മയും മകനും തമ്മിലുള്ള ഒരു സംഭാഷണമാണ് ഇവിടെ കൊടുത്തിരിക്കുന്നത്. ഇവിടെ അമ്മ മകനോട് കടയിൽനിന്ന് പച്ചക്കറി വാങ്ങി വരാൻ പറയുന്നു. മകൻ അവന്റെ ചില ജോലികൾ ചെയ്ത് തീർത്തിട്ട് കടയിൽ പോകാമെന്ന് അമ്മയോട് പറയുന്നു.)

निपटाकर - खतम करना (അവസാനിപ്പിക്കുക)

खरीदारी - shopping

1.1.2 बाज़ार में

माधव : भैया नमस्ते !

दूकानदार : हरे! माधव बेटा, कैसे हो? अब तुझे देख ही नहीं पा रहा है। क्या हाल है?

माधव : हाँ भैया, पढाई में थोड़ा व्यस्त हो गया हूँ। रोज़ कुछ न कुछ नया पढ़ रहा हूँ।

दूकानदार : वाह! ये तो बहुत अच्छा है। खूब पढ़ो बेटा, भविष्य केलिए अच्छा रहेगा।

माधव : हाँ भैया, वैसे माँ ने सब्ज़ियों की एक लंबी लिस्ट दी है, वो दे दूँ?

दूकानदार : हाँ, हाँ, बेटा दे दो।

माधव : ये लीजिए, ये सारी सब्ज़ियाँ हैं।

दूकानदार : लेकिन बेटा, एक बात बताऊँ। टमाटर तो अभी खत्म हो गए हैं।

माधव : क्या? अब क्या होगा?

दूकानदार : कोई बात नहीं, तुम पास में जो दुकान है, वहाँ से ले आओ।

माधव : ओह, समझ गया। तो मैं अभी जाता हूँ।

दूकानदार : हाँ बेटा, जल्दी जाना। अगर देर हो गई तो बारिश आनेवाली है, फिर रास्ते में बहुत मुश्किल हो जाएगी।

माधव : बिल्कुल भैया, मैं अभी जाता हूँ। धन्यवाद!

दूकानदार : ध्यान रखना। और हाँ, आगे से पढ़ाई के साथ थोड़ी घूम-फिर भी लिया करो, वरना पढ़ाई का बोझ बढ़ जाएगा।

माधव : बिलकुल, भैया ! मैं ध्यान रखूँगा।

(ഒരു കുട്ടിയും കടക്കാരനും തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ് ഇവിടെ നൽകിയിരിക്കുന്നത് കുട്ടിയെ കുറെ നാളായി കാണാറില്ലെന്നും പഠിത്തത്തിന്റെ തിരക്ക് ആണെന്ന് കടക്കാരന്റെ കുശലാന്വേഷണത്തിന് മറുപടിയായി കുട്ടി അറിയിക്കുന്നു. അമ്മ കൊടുത്തയച്ചതിൽപ്രകാരമുള്ള ലിസ്റ്റിലെ സാധനങ്ങൾ എടുത്തുവയ്ക്കാൻ കുട്ടി കടക്കാരനോട് ആവശ്യപ്പെടുന്നു. ലിസ്റ്റിൽ പറഞ്ഞിരിക്കുന്ന തക്കാളി ആ കടയിൽ ഇല്ലെന്നും മറ്റൊരു കടയിൽ നിന്നും വാങ്ങുവാനും കടക്കാരൻ ആവശ്യപ്പെടുന്നു. മഴയ്ക്ക് സാധ്യതയുണ്ടെന്നും വേഗം വീട്ടിൽ തിരികെ പോകണമെന്നും കടക്കാരൻ ഉപദേശിക്കുന്നു പഠനത്തിൽ കൂടുതൽ ശ്രദ്ധ കൊടുക്കണമെന്നും അദ്ദേഹം കുട്ടിയോട് പറയുന്നു.)

व्यस्त	-	Busy
टमाटर	-	തക്കാളി
बिलकुल	-	തീർച്ചയായും

1.1.3 रसोई में

माँ : भीगा तो नहीं, बेटा

मनु : नहीं माँ, बारिश से पहले पहुँच गया था, सब कुछ ठीक है।

माँ : अच्छा हुआ बेटा, वरना बारिश में सबकुछ भीग जाता।

मनु : माँ, आजकल तो सब्ज़ियाँ बहुत महंगी हो गई हैं, है न?

माँ : हाँ, बेटा, हर चीज़ की क़ीमत आसमान छू रही है।

मनु : और टमाटर की क़ीमत तो काफी बढ़ गई है।

माँ : हाँ, अब तो सब महंगे हो गये हैं, समझ में नहीं आता यह महंगाई कब थमेगी।

मनु : सोमू चाचा कह रहे थे कि अब उनके पास ग्राहक भी कम हो गए हैं। लोग उनसे कम सामान खरीदते हैं।

माँ : हाँ, अब तो लोग सुपरमार्केट्स से ही सब्ज़ियाँ खरीदना पसंद करते हैं। घर-घर से ताज़ी सब्ज़ियाँ लेने का चलन घटता जा रहा है।

मनु : सच माँ, अब लोग सिर्फ़ आराम और सुविधा को ही अहमियत देते हैं। पुराने तरीके धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं।

माँ : हाँ बेटा, समय बदल रहा है, लेकिन हमें उन मेहनतकश वर्ग के बारे में भी सोचना चाहिए।

मनु : माँ आपने बिल्कुल सही कहा है।

(മഴ പെയ്യുന്നതിന് മുൻപ് സാധനങ്ങൾ വാങ്ങി വീട്ടിലെത്തിയ മകനും അമ്മയും തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ് ഇവിടെ നൽകിയിരിക്കുന്നത്. പച്ചക്കറിയുടെ വില വളരെ കൂടുതലാണെന്നും ആളുകൾക്ക് ഇപ്പോൾ സൂപ്പർമാർക്കറ്റുകളിൽനിന്ന് സാധനങ്ങൾ വാങ്ങുന്നതിനുള്ള താല്പര്യം കൂടു

തലാണെന്നും സംഭാഷണത്തിൽ പറയുന്നു. പണ്ടത്തെ കാലം മാറി ആളുകളുടെ രീതികൾ മാറിയതിനെക്കുറിച്ചും അവർ തമ്മിൽ അഭിപ്രായപ്പെടുന്നു.)

सब्जि - പച്ചക്കറി

अहमियत - importance - महत्व

मेहनतकश - Hardwork

1.1.4 होटल में

मेहमान : नमस्ते ! मुझे एक कमरे की बुकिंग करनी है। क्या आप मुझे मदद कर सकते हैं?

रिसेप्शनिस्ट : नमस्ते ! बिल्कुल, मैं आपकी मदद कर सकता हूँ। आपको किस तरह का कमरा चाहिए?

मेहमान : मुझे एक सिंगल रूम चाहिए, जिसमें AC और वाई-फाई की सुविधा हो।

रिसेप्शनिस्ट : हमारे पास सिंगल रूम उपलब्ध है जिसमें AC और वाई-फाई की सुविधा है। क्या आप एक रात केलिए रूम बुक करना चाहते हैं?

मेहमान : जी हाँ, एक रात केलिए। कितनी कीमत होगी?

रिसेप्शनिस्ट : इस कमरे की कीमत ₹1500 प्रति रात है, जिसमें टैक्स शामिल है।

मेहमान : ठीक है, मैं इसे बुक कर रहा हूँ। कृपया फॉर्म भरने केलिए दें।

रिसेप्शनिस्ट : यह रहा फॉर्म। कृपया अपना नाम, पहचान पत्र और संपर्क विवरण भरें।

मेहमान : यह रहा मेरा पहचानपत्र और मैं अपना नंबर भर देता हूँ।

रिसेप्शनिस्ट : धन्यवाद। अब मैं आपको कमरे की कुंजी दे रहा हूँ। आपका रूम 305 में है।

मेहमान : धन्यवाद ! क्या मुझे कमरे में कोई सुविधाएँ और सेवाएँ मिलेंगी?

रिसेप्शनिस्ट : जी हाँ, कमरे में आपको 24 घंटे गर्म पानी, टीवी, और मिनी फ्रिज की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, यदि आपको किसी प्रकार की सेवाएँ चाहिए, तो कृपया हमें बताएं।

मेहमान : धन्यवाद ! मुझे किसी अतिरिक्त सेवाओं की आवश्यकता नहीं है, लेकिन क्या कमरे में चाय और कॉफी की व्यवस्था है?

रिसेप्शनिस्ट : जी हाँ, कमरे में चाय और कॉफी बनाने की व्यवस्था है। आप चाहें तो रूम सर्विस से भी मंगवा सकते हैं।

मेहमान : बहुत अच्छा ! एक और सवाल, क्या होटल में जिम और स्विमिंगपूल की सुविधा भी है?

रिसेप्शनिस्ट : जी हाँ, हमारे होटल में एक जिम और स्विमिंगपूल की सुविधा उपलब्ध है। आप इन्हें किसी भी समय उपयोग कर सकते हैं।

मेहमान : धन्यवाद ! मुझे अब आराम करना है।

रिसेप्शनिस्ट : आपका स्वागत है। यदि आपको किसी चीज़ की आवश्यकता हो, तो कृपया हमें बताएँ।

(ഒരു ഹോട്ടലിൽ റിസപ്ഷനിസ്റ്റും അതിഥിയും തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ് ഇവിടെ കൊടുത്തിരിക്കുന്നത്. അതിഥി ആ ഹോട്ടലിൽ മുറി ബുക്ക് ചെയ്യാൻ ആഗ്രഹിക്കുകയും അവിടുത്തെ സൗകര്യങ്ങളെക്കുറിച്ച് റിസപ്ഷനിസ്റ്റിനോട് ചോദിക്കുകയും ചെയ്യുന്നതാണ് സന്ദർഭം.)

റൂമിന്റെ റെന്റ്, വൈഫൈ, എ.സി, ചൂടുവെള്ളം, സ്വിമ്മിംഗ് പൂൾ ഇങ്ങനെയുള്ള സൗകര്യങ്ങളെക്കുറിച്ചൊക്കെ അതിഥി ചോദിക്കുകയും റിസപ്ഷനിസ്റ്റ് താക്കോൽ കൊടുത്ത് മറ്റെന്തെങ്കിലും ആവശ്യമുണ്ടെങ്കിൽ വിളിക്കാൻ പറയുകയും ചെയ്യുന്നു.)

सुविधा - സൗകര്യം

पहचान पत्र - തിരിച്ചറിയൽ രേഖ

1.1.5 दोस्तों के बीच

अरुण : नमस्ते, कैसे हो? बहुत दिनों बाद मिले हो।

कमल : नमस्ते ! हाँ, सच में बहुत समय हो गया। मैं ठीक हूँ, तुम कैसे हो?

अरुण : मैं भी ठीक हूँ। पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त था, पढ़ाई में समय नहीं मिल रहा था।

कमल : समझ गया। बी.ए की पढ़ाई तो वाकई बहुत कठिन होती है, खासकर जब बहुत सारे प्रोजेक्ट्स और असाइनमेंट्स होते हैं।

अरुण : बिल्कुल ! और कभी-कभी तो लगता है कि सबकुछ खत्म हो जाएगा। लेकिन फिर सोचता हूँ कि थोड़ा और मेहनत करूँ।

कमल : सही कहा। अगर मेहनत करेंगे तो सबकुछ ठीक हो जाएगा। वैसे, तुमने अगले सेमेस्टर केलिए क्या प्लान किया है?

अरुण : अगले सेमेस्टर में कुछ नया करने का सोच रहा हूँ। कुछ एक्स्ट्रा कोर्स कर सकता हूँ ताकि मुझे और अच्छे स्किल्स मिलें।

कमल : यह बहुत अच्छा विचार है ! मैं भी सोच रहा हूँ कि कुछ नया सीखूँ। शायद कोई लैंग्वेज कोर्स कर लूँ।

अरुण : वो भी बहुत अच्छा रहेगा। वैसे तुमने अपनी पढ़ाई के अलावा क्या किया है इन दिनों?

कमल : मैं थोड़ा वर्कआउट कर रहा हूँ और कुछ किताबें पढ़ रहा हूँ। इससे मन भी शांत रहता है और शरीर भी फिट रहता है।

अरुण : यह तो बहुत अच्छा है। मुझे भी ऐसा करना चाहिए। पढ़ाई और वर्कआउट दोनों का बैलेंस होना चाहिए।

कमल : हाँ, बिल्कुल! अब हमें एक साथ बैठकर कुछ समय बिताना चाहिए। बहुत दिन हो गए।

अरुण : सही कहा तुमने ! चलो, अब चाय पीने चलते हैं।

कमल : बिल्कुल, चलो !

(രണ്ട് സുഹൃത്തുക്കൾ തമ്മിൽ കണ്ടുമുട്ടുകയും അവർ തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണവുമാണ് ഇവിടെ നൽകിയിരിക്കുന്നത്. പഠനത്തിനിടയിലുള്ള തിരക്കുകളും, പ്രോജക്ട്, അസൈൻമെന്റ്, സെമസ്റ്റർ എന്നിവയെക്കുറിച്ചുള്ള കാര്യങ്ങൾ, മറ്റ് സ്കില്ലുകൾ ഇവയെക്കുറിച്ചുള്ള അവരുടെ സംസാരങ്ങളാണ് ഇവിടെ പ്രതിപാദിക്കുന്നത്.)

1.1.6 बच्चों के बीच

मोहन : नमस्ते, राधा ! तुम आज स्कूल में खुश क्यों नहीं दिख रही हो?

राधा : नमस्ते, मोहन ! दरअसल, आज हमारे स्कूल में गणित का टेस्ट था, और मुझे बहुत डर लग रहा था। मुझे ऐसा लगा कि मैं ठीक से नहीं पढ़ पाई हूँ।

मोहन : ओह ! लेकिन तुम हमेशा अच्छी तरह से पढ़ाई करती हो, तो तुम्हें चिंता करने की कोई बात नहीं है।

बच्चों के बीच हम सब एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं।

राधा : हाँ, तुम सही कहते हो। तुम्हारे पास क्या कोई तरीका है जिससे मैं अपनी चिंता कम कर सकूँ?

मोहन : सबसे पहले तो हमें एक-दूसरे के साथ समय बिताना चाहिए। जैसे, कल ही हमारी क्लास में बच्चों ने मिलकर एक खेल खेला था। उस खेल में हम सबने एक-दूसरे की मदद की और बहुत मज़ा आया।

राधा : वह सच में अच्छा था। मैंने भी सुना था कि तुम लोग क्रिकेट और कबड्डी खेलते हो। वह खेल भी तो बहुत मजेदार होते हैं, न?

मोहन : हाँ, बिल्कुल! बच्चों के बीच क्रिकेट और कबड्डी बहुत लोकप्रिय खेल हैं। जब हम खेलते हैं, तो हम सब मिलकर जीतने केलिए एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाते हैं। और अगर किसी से गलती हो जाए तो हम उसे समझाते हैं, ताकि वह अगली बार बेहतर खेल सके।

राधा : यह बहुत अच्छा है। खेलते वक्त हम बच्चों को सीखने का मौका मिलता है, और साथ ही हमारे रिश्ते भी मजबूत होते हैं।

मोहन : सही कहा तुमने, राधा ! बच्चों के बीच एक-दूसरे का सहयोग बहुत ज़रूरी है। हम सिर्फ खेल ही नहीं, पढ़ाई में भी एक-दूसरे की मदद करते हैं। जैसे, कभी मैं तुम्हें गणित समझा सकता हूँ और तुम मुझे विज्ञान के सवाल बता सकती हो।

राधा : हाँ, इस तरह हम दोनों अपनी-अपनी कमज़ोरियों पर काम कर सकते हैं। मुझे लगता है कि बच्चों के बीच दोस्ती और सहयोग से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। एक-दूसरे की मदद से हम अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं।

मोहन : बिल्कुल! और बच्चों के बीच में जो खुशी और मस्ती होती है, वह किसी और चीज़ से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण होती है। हमें साथ मिलकर हंसते-खेलते रहना चाहिए।

राधा : बिल्कुल, मोहन! बच्चों के बीच का समय बहुत ख़ास होता है। हमें इसे और बेहतर बनाना चाहिए।

(സ്കൂളിൽ പഠിക്കുന്ന രണ്ട് കുട്ടികൾ തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ് ഇവിടെ നൽകിയിരിക്കുന്നത്. ക്ലാസിൽ ഗണിതം ടെസ്റ്റ് നടന്ന സമയത്ത് കുട്ടിക്ക് അത് ശരിക്ക് വായിക്കാൻ സാധിക്കാതെ വരികയും കുട്ടിക്ക് വളരെ പേടി തോന്നുകയും ചെയ്തു. അതിന്റെ കാര്യങ്ങൾ പരസ്പരം പറയുകയും കുട്ടികൾ തമ്മിലുള്ള സഹകരണത്തിന്റെ കാര്യങ്ങൾ പരസ്പരം ചർച്ച ചെയ്യുകയും ചെയ്യുന്നു. സ്കൂളിൽ കുട്ടികൾ തമ്മിലുള്ള കളികളിൽ പങ്കെടുക്കുന്നതിന്റെ ആവശ്യകതകളും പരസ്പരം സഹായിക്കുന്നതിനെക്കുറിച്ചും കളികളിലൂടെ പഠനത്തിലേക്ക് എത്തുന്നതിനെക്കുറിച്ചുമൊക്കെ അവർ തമ്മിൽ ചർച്ച ചെയ്യുന്നു. കളികളിലൂടെ തെറ്റുകളെ മനസ്സിലാക്കാനും, തെറ്റുകൾ ചൂണ്ടിക്കാണിക്കാനും, അത് തിരുത്തുവാനുമുള്ള മനസുണ്ടാക്കിയെടുക്കുവാനും സാധിക്കുമെന്ന് അവർ തിരിച്ചറിയുന്നു. അങ്ങനെ പഠനത്തിലേക്ക് എത്താൻ സാധിക്കുമെന്നും ഈ സംഭാഷണത്തിലൂടെ അവർ മനസിലാക്കുന്നു.)

दरअसल	-	വാസ്തവത്തിൽ
मदद	-	സഹായം
मज़ेदार	-	രസകരം
बिलकुल	-	തീർച്ചയായും

SGOU

खेल - കളി

वक्त - സമയം

बेहतर - Better (മെച്ചപ്പെട്ട)

1.1.7 माँ बाप के बीच

पिता : सुनिए, सीमा के स्कूल में आज कुछ विशेष कार्यक्रम था। आप वहाँ गई थीं?

माँ : हाँ, मैंने उसे स्कूल छोड़ते वक्त सुना था। वहाँ कार्यक्रम के बारे में बहुत अच्छा सुना। लेकिन मुझे कुछ समय बाद ही वापस आना पड़ा।

पिता : वह आज बहुत खुश थी, न। उसे अपने दोस्तों के साथ एक नाटक में भाग लेने का मौका मिला। वह नाटक बहुत अच्छा था और सीमा की एक्टिंग ने मुझे बहुत गर्व महसूस कराया।

माँ : सचमुच, मुझे तो लगता है कि सीमा अब बड़ी हो रही है। उसकी एक्टिंग से उसके आत्मविश्वास का पता चलता है। पर क्या तुमने देखा कि वह ज्यादा समय टीवी पर बिताती है?

पिता : हाँ, मैंने भी देखा है। लेकिन हमें इसपर विचार करना होगा कि वह टीवी को किस तरह से देखती है। कभी-कभी वह कुछ प्रेरणादायक कार्यक्रम देखती है, जो उसके लिए अच्छा हो सकता है। हम उसे सही दिशा में मार्गदर्शन दे सकते हैं।

माँ : आप सही कह रहे हैं। हमें उसे टीवी और सोशल मीडिया से जुड़ी गतिविधियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि उसका समय सही तरीके से व्यतीत हो। वैसे, क्या आप सीमा केलिए किताबें लाए हैं?

पिता : हाँ, मैंने कुछ अच्छी किताबें खरीदी हैं। एक किताब इतिहास और दूसरी विज्ञान पर है। मुझे लगता है कि इन किताबों से उसे बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा।

माँ : बहुत अच्छा किया आपने! हम दोनों मिलकर सीमा केलिए एक अच्छा माहौल बना सकते हैं, ताकि वह पढ़ाई और खेल में संतुलन बना सके।

पिता : बिल्कुल। बच्चों की सही दिशा में पालन-पोषण ही उनके भविष्य को आकार देता है। हमें हमेशा एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हुए उसे सही मार्ग दिखाना चाहिए।

माँ : सही कहा आपने। हमें एकजुट होकर सीमा के विकास केलिए काम करना चाहिए। यही सबसे महत्वपूर्ण है।

(ഇവിടെ അച്ഛനും അമ്മയും അവരുടെ മകളെക്കുറിച്ച് സംസാരിക്കുകയാണ്. സ്കൂളിൽ ഒരു പ്രോഗ്രാം നടക്കുമ്പോൾ അതിൽ അവരുടെ മകൾ പങ്കെടുക്കുന്നതിനെക്കുറിച്ചും അവളുടെ അഭിനയത്തെക്കുറിച്ചുമെല്ലാം അവർ ചർച്ച ചെയ്യുന്നു. ടി.വി., സോഷ്യൽ മീഡിയ എന്നിവയുടെ ഉപയോഗത്തെക്കുറിച്ചും അത് നല്ല രീതിയിൽ ആവശ്യാനുസരണം ഉപയോഗിക്കേണ്ടതിന്റെ ആവശ്യകതയകളുമൊക്കെ അവരുടെ സംഭാഷണത്തിൽ ഉൾപ്പെടുന്നു. അച്ഛൻ മകൾക്കുവേണ്ടി ചില നല്ല പുസ്തകങ്ങൾ വാങ്ങിയതായും പറയുന്നു. കുറച്ച് ചരിത്രപുസ്തകങ്ങളും കുറച്ച് ശാസ്ത്രപരമായ പുസ്തകങ്ങളും. കുട്ടികൾക്ക് ശരിയായ ദിശ നൽകുന്നതിൽ മാതാപിതാക്കൾക്കുള്ള പങ്ക് എന്താണെന്നും അവർ പരസ്പരബഹുമാനത്തോടെ അതിനുള്ള മാർഗങ്ങൾ സ്വീകരിക്കണമെന്നും

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

അവർ പരസ്പരം പറയുന്നു.)

कार्यक्रम	-	പരിപാടി
प्रेरणादायक	-	പ്രചോദനപരം
एकजूट	-	united (ഒരുമിച്ച്)
मौका	-	അവസരം
इतिहास	-	ചരിത്രം
विज्ञान	-	സയൻസ്
माहौल	-	Environment (പരിസ്ഥിതി)

भाई-बहन के बीच

नयना : भैया, तुम आजकल बहुत व्यस्त रहते हो, क्या तुम मुझे समय नहीं दे पाते?

अर्जुन : नहीं, नयना ! ऐसा नहीं है। बस कॉलेज की पढ़ाई और अन्य कामों में थोड़ा ज्यादा ध्यान देना पड़ रहा है। पर तुम से बात किए बिना मुझे अच्छा नहीं लगता। तुम क्या कर रही हो?

नयना : मैं तो कुछ खास नहीं कर रही थी। आजकल स्कूल के प्रोजेक्ट्स में ही लगी रहती हूँ। लेकिन तुम से बात करने का मन था। मुझे लगता है कि तुम्हारी मदद से मुझे प्रोजेक्ट्स में आसानी होगी।

अर्जुन : बिल्कुल! तुम मुझे बताओ, क्या प्रोजेक्ट है? मैं तुम्हारी मदद करूंगा। मुझे अच्छा लगेगा कि मैं तुम्हारे काम में योगदान दे सकूं। वैसे भी, जब मैं छोटा था, तुमने मेरी काफी मदद की थी।

नयना : सच कह रहे हो, भैया! तुम हमेशा मेरी मदद करते हो। जब मुझे किसी चीज़ की समझ नहीं आती, तो तुम ही मुझे सब कुछ समझाते हो। अब तुम भी मेरी मदद चाहते हो, तो मैं बहुत खुश हूँ!

अर्जुन : ये तो परिवार की बात है, नयना! भाई-बहन को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। वैसे, क्या तुम्हारी किताबें अब खत्म हो गईं? मैं देख रहा हूँ कि तुम बहुत देर तक पढ़ाई में लगी रहती हो।

नयना : हाँ, मुझे लगता है कि मुझे थोड़ा आराम करना चाहिए। तुम्हारे साथ समय बिताने से मुझे बहुत राहत मिलती है। कभी-कभी हम दोनों मिलकर खेलें, तो भी अच्छा लगेगा।

अर्जुन : बिलकुल, नयना! क्यों न हम इस रविवार को क्रिकेट खेलें? हमें खेलने का भी वक्त मिल जाएगा।

नयना : वाह, भैया! क्रिकेट खेलना बहुत मज़ेदार होगा। मैं तैयार हूँ। और तुम क्या करोगे, अगर मैं जीत गई?

अर्जुन : अगर तुम जीत गई, तो मैं तुम्हें अपनी पसंदीदा चॉकलेट दिलाऊंगा। लेकिन अगर मैं जीत गया, तो मुझे तुम से एक नई किताब चाहिए होगी।

नयना : ठीक है, भैया! हम देखेंगे कौन जीतता है, लेकिन मुझे विश्वास है कि इस बार मैं ही जीतूंगी!

(സഹോദരനും സഹോദരിയും തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ് ഇവിടെ നൽകിയിരിക്കുന്നത്. സഹോദരി സഹോദരനോട് തനിക്കു വേണ്ടി ചിലവഴിക്കുവാൻ സമയമില്ലേ എന്ന് ചോദിക്കുന്നു. കോളേജിലെ തില ചിരക്കുകളും പ്രോജക്റ്റുകളും ചെയ്യുന്നതിലുള്ള തിരക്കാണെന്ന് സഹോദരൻ അറിയിക്കുന്നു. സഹോദരങ്ങൾ പരസ്പരം സഹായിക്കുന്നതിനെക്കുറിച്ചുമൊക്കെ അവർ തമ്മിൽ സംസാരിക്കുന്നു.)

आसानी	-	എളുപ്പം	राहत	-	ആശ്വാസം
योगदान	-	Contribute (സംഭാവന)	रविवार	-	Sunday (ഞായർ)
मदद	-	സഹായം	पसंदीदा	-	Favourite (പ്രിയപ്പെട്ട)
आराम	-	വിശ്രമം			

Recap / पुनरावृत्ति

- हिन्दी भाषा का संवाद सरल और सहज होता है
- संवाद की शुरुआत अभिवादन से होती है
- संवाद में सही शब्दों को चुनना होता है
- व्याकरण का भी ध्यान रखना चाहिए
- आदर के साथ बातें करनी चाहिए
- सामान्य सी प्रतीत होनेवाले संवाद में भी शिष्टता को बढ़ाते हुए उसे सकारात्मक दिशा में ले जाया जा सकता है

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हिन्दी में संवाद करते समय ध्यान रखने की बात क्या है?
2. मनुष्य अपने विचारों को आदान प्रदान करने केलिए उपयुक्त स्वाभाविक माध्यम क्या है?
3. अपनी विशिष्ट पहचान बनाने का सशक्त माध्यम क्या है?
4. संबेधन से क्या तात्पर्य है?
5. इस वार्तालाप को पूरा करो।

   देवू : भाई, "क्या आप मुझे स्कूल छोड़ोगे?"

   वेद : ....।

Answers / उत्तर

1. सही शब्दों का चुनाव।
2. वार्तालाप या बातचीत।
3. वार्तालाप
4. संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जिससे किसी को पुकारने या बुलाने का बोध होता है।

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. घर में, बाजार में, रसोई में, इस विषय पर टिपण्णी लिखिए।
2. होटल में, दोस्तों के बीच, बच्चों के बीच इस विषय पर टिपण्णी लिखिए।
3. माँ-बाप के बीच, भाई बहन के बीच आदि प्रसंगों पर वार्तालाप तैयार कीजिए।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. सोपान : अमन प्रकाशन
2. मेल मिलाप : वाणी प्रकाशन
3. रचना का सचः डॉ. षैला पाप्पू, डॉ. रीना जोस
4. व्यवहारिक हिन्दी व्याकरणः अनुवाद तथा रचना : डॉ. एच. परमेश्वरन

SGOU

इकाई 2

विद्यालय में, दफ्तर में, कॉलेज में, डाकघर में, रेलवे स्टेशन में, बैंक में, थाने में, हवाई अड्डे पर, अस्पताल में।

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- विनम्र शब्दावली का सही उपयोग समझता है
- प्रश्नवाचक शब्द के प्रयोग को समझता है
- अपनी स्थिति पूछने और दूसरे के बारे में जानने केलिए वाक्यांशों का उपयोग करता है
- संदर्भानुसार संवाद को समझता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

हमारे दैनिक जीवन में विद्यालय, दफ्तर, बैंक, अस्पताल, और अन्य सार्वजनिक स्थल में संवाद का महत्वपूर्ण भूमिका हैं। हर स्थान पर कुछ विशेष आवश्यकताएँ होती हैं, जैसे विद्यालय में अनुशासन और शिक्षा का महत्व, दफ्तर में कार्यकुशलता और समय प्रबंधन और अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सों की विशेषज्ञता। इन सभी स्थानों पर कार्यों को सुचारू रूप से चलाने केलिए एक सकारात्मक वातावरण, टीमवर्क, और सुरक्षा का ध्यान रखना आवश्यक है। जब हम इन शर्तों का पालन करते हैं, तो यह सुनिश्चित होता है कि हर जगह काम सही तरीके से और प्रभावी ढंग से हो, जिससे समाज में व्यवस्था बनी रहती है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

दिक्कत, रिपोर्ट, प्रोजेक्ट

Discussion / चर्चा

स्कूल, ऑफिस और अस्पताल संवाद विभिन्न परिस्थितियों में होनेवाली सामान्य बातचीतों को समझने और अभ्यास करने का एक अच्छा तरीका हैं। स्कूल संवाद में छात्र और शिक्षक के बीच पढ़ाई, छुट्टियाँ, खेल और अन्य गतिविधियों पर बातचीत की जाती है, जबकि ऑफिस संवाद में कामकाजी जीवन से जुड़ी बातचीत होती है, जैसे सहकर्मियों के साथ परियोजनाओं पर चर्चा, बॉस से छुट्टियों के बारे में बात करना या टीम मीटिंग्स में विचारों का आदान-प्रदान करना। अस्पताल संवाद में मरीज़, डॉक्टर और नर्स के बीच स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, उपचार और दवाइयों पर बातचीत होती है। इन विषयों के माध्यम से हम इन विभिन्न संदर्भों में सही तरीके से संवाद करना सीखते हैं, जो हमारी रोज़मर्रा की जिंदगी में उपयोगी होते हैं।

1.2.1 विद्यालय में

हरि : नमस्ते, तुम स्कूल आज लेट क्यों आए?

जय : नमस्ते! हाँ, आज थोड़ी देरी हो गई। रास्ते में बहुत ट्रैफिक था, इसलिए लेट हो गया।

हरि : ओह, ये तो परेशानी की बात है। तुमने नाश्ता किया?

जय : हाँ, किया था। मगर स्कूल आने में ही टाइम ज्यादा लग गया।

हरि : अच्छा, कोई बात नहीं। वैसे, आज क्लास में क्या खास है?

जय : आज हमारी गणित की परीक्षा है। मैं थोड़ी घबराई हुई हूँ।

हरि : ओह, तो तुमने तैयारी की है?

जय : हाँ, मैंने पिछले दो दिन से अच्छे से पढ़ाई की है। तुमने?

हरि : हाँ, मैंने भी थोड़ा-थोड़ा पढ़ा है, लेकिन मुझे गणित बहुत मुश्किल लगता है।

जय : मुझे भी कभी-कभी लगता है, लेकिन मैंने कुछ पेपर सॉल्व किए हैं, तो थोड़ा आत्मविश्वास बढ़ा है।

हरि : बहुत अच्छा! मुझे भी थोड़ा पेपर सॉल्व करना चाहिए था। अब क्या करूँ?

जय : अब क्या, बस शांत रहो और जो याद है, वही लिखो। घबराओ मत।

हरि : तुम सही कह रहे हो। तुम से बात करके थोड़ी राहत मिली।

जय : कोई बात नहीं, सब ठीक होगा। परीक्षा के बाद हम लंच पर बैठेंगे, ठीक है?

हरि : हाँ, यह बहुत अच्छा रहेगा। हम फिर से अभ्यास करेंगे।

जय : बिल्कुल ! चलो, अब हम क्लास में चलते हैं, परीक्षा शुरू होने वाली है।

हरि : ठीक है, धन्यवाद ! शुभकामनाएँ।

जय : तुम्हें भी शुभकामनाएँ!

വിദ്യാലയത്തിന്റെ പശ്ചാത്തലത്തിൽ രണ്ട് സുഹൃത്തുക്കൾ തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ്. സുഹൃത്തുക്കൾക്കിടയിൽ പലവിധ സംഭാഷണങ്ങളും നടക്കാറുണ്ട്. ഇവിടെ താമസിച്ചുവന്ന കൂട്ടുകാരനോട് താമസിച്ചുവന്നതിൻറെ വിവരവും കണക്കുപരീക്ഷയുടെ ഓർമ്മപ്പെടുത്തലും, അതിലെ ആശങ്കയുമാണ് ചർച്ചാവിഷയം.

गणित	-	ഗണിതം
मुश्किल	-	ബുദ്ധിമുട്ട്
घबराओ मत	-	ഭയപ്പെടേണ്ട

1.2.2 दफ्तर में

कर्मचारी : नमस्ते सर, कैसे हैं आप?

मैनेजर : नमस्ते ! मैं ठीक हूँ, तुम कैसे हो?

कर्मचारी : सर, धन्यवाद ! मैं भी ठीक हूँ। सर, मुझे एक रिपोर्ट तैयार करनी है, क्या मुझे इस पर आपकी मदद मिल सकती है?

मैनेजर : हाँ, बिल्कुल। तुम्हें किस बारे में रिपोर्ट बनानी है?

कर्मचारी : रिपोर्ट को कंपनी के पिछले महीने के बिक्री आंकड़ों पर आधारित बनाना है। मैंने आंकड़े एकत्रित कर लिए हैं, लेकिन विश्लेषण में थोड़ा कठिनाई हो रही है।

मैनेजर : ठीक है, तुम पहले मुझे आंकड़े दिखाओ। हम मिलकर उनका विश्लेषण कर सकते हैं।

कर्मचारी : धन्यवाद सर, मैं तुरंत आंकड़े आपके पास लाता हूँ।

SGOU

मैनेजर : कोई बात नहीं, तुम रिपोर्ट जल्दी से तैयार कर लेना। आज शाम तक यह काम खत्म हो जाना चाहिए।

कर्मचारी : जी सर, मैं ध्यान रखूँगा। धन्यवाद।

मैनेजर : ठीक है, अच्छा काम करो। अगर कोई और दिक्कत हो तो मुझे बताना।

कर्मचारी : जी सर, धन्यवाद!

ഓഫീസിലെ പശ്ചാത്തലത്തിൽ മാനേജരും ജീവനക്കാരനും തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ്. കഴിഞ്ഞമാസത്തെ വ്യാപാര കണക്കുകളുടെ റിപ്പോർട്ട് തയ്യാറാക്കാൻ ജീവനക്കാരൻ മാനേജരോട് സഹായം ചോദിക്കുന്നതാണ് സന്ദർഭം.

रिपोर्ट	-	റിപ്പോർട്ട്
मदद	-	സഹായം
आंकडा	-	കണക്കുകൾ
विश्लेषण	-	വിശകലനം
दिक्कत	-	പ്രയാസം

1.2.3 कॉलेज में

मोहन : नमस्ते, तुम आज क्लास क्यों नहीं आए?

साजन : नमस्ते! मुझे थोड़ा काम था, इसलिए क्लास मिस कर दी।

मोहन : ओह, समझ गया। आज क्या पढ़ाया गया था?

साजन : आज हमारे प्रोफेसर ने 'मैथ्स' का नया टॉपिक शुरू किया। उन्होंने कुछ नोट्स भी दिए।

मोहन : अच्छा ! क्या वो नोट्स तुम मुझे दोगे?

साजन : हाँ, बिल्कुल। मैंने अच्छे से नोट्स बनाए हैं, मैं तुम्हें भेज दूंगा।

मोहन : धन्यवाद ! वैसे, क्या तुमने हमारे प्रोजेक्ट के बारे में सुना है?

साजन : हाँ, मैंने सुना है। हम एक ग्रुप में है न।

मोहन : हाँ, मुझे लगता है कि हम दोनों एक ही टीम में है।

साजन : अगर ऐसा है तो हम दोनों मिलकर खूब काम करेंगे।

मोहन : जी बिलकुल, कल से ही हम काम शुरु करते है।

साजन : हाँ, बिल्कुल। तो कल मिलते हैं।

मोहन : जी, धन्यवाद !

കോളേജിലെ പശ്ചാത്തലത്തിൽ രണ്ട് സുഹൃത്തുക്കളുടെ സംഭാഷണമാണ്. സുഹൃത്തിന് നഷ്ടമായ ക്ലാസും അതിന്റെ നോട്ടുകൾ കൈമാറുന്നതും, പ്രോജക്ടിൽ ഒരുമിച്ചായതിൽറെ സന്തോഷവും ഇതിൽ പങ്കുവെയ്ക്കുന്നുണ്ട്.

समझना	-	മനസ്സിലാക്കുക
बिलकुल	-	തീർച്ചയായും
कल	-	നാളെ
भेजना	-	അയക്കുക

1.2.4 डाकघर में

रोशन : नमस्ते, मुझे एक पत्र भेजना है।

डाकवाला : नमस्ते ! कहाँ भेजना है पत्र?

रोशन : दिल्ली भेजना है।

डाकवाला : ठीक है, आपको सामान्य डाक चाहिए या रजिस्टर्ड डाक?

रोशन : रजिस्टर्ड डाक।

डाकवाला : तो इसके लिए आपको थोड़ा अधिक शुल्क देना होगा। क्या आप सही पता लिखकर लाए हैं?

SGOU

रोशन : हाँ, मैंने पूरा पता ठीक लिख लिया है।

डाकवाला : बहुत अच्छा ! कृपया पत्र मुझे दें और शुल्क का भुगतान करें।

रोशन : ये रहा पत्र, और ये पैसे।

डाकवाला : धन्यवाद ! आपके द्वारा दिए गए पैसे से हम रसीद भी देंगे।

रोशन : ठीक है, धन्यवाद। मुझे रसीद मिल जाएगी, है न?

डाकवाला : हाँ, यह रही आपकी रसीद। पत्र 3-4 दिन में पहुँच जाएगा।

रोशन : धन्यवाद !

डाकवाला : धन्यवाद ! शुभदिन हो।

പോസ്റ്റോഫീസിൽ രജിസ്റ്റേഡ് കത്തയക്കാൻ വന്ന വ്യക്തിയുമായി പോസ്റ്റോഫീസറുടെ സംഭാഷണമാണ്. രജിസ്റ്റേഡ് കത്തയയ്ക്കുന്നതിനുള്ള കാശിനെപ്പറ്റിയും അതിനുശേഷം ലഭിക്കുന്ന രസീതും എത്രദിവസം കൊണ്ട് കത്ത് ലഭിക്കുമെന്നുള്ള കാര്യങ്ങളാണ് ചർച്ചാവിഷയം.

पत्र	-	കത്ത്
डाकवाला	-	പോസ്റ്റ്മാൻ
भेजना	-	അയക്കുക
पता	-	വിലാസം
भुगतान	-	payment (പ്രതിഫലം)
रसीद	-	രസീത്

1.2.5 रेलवे स्टेशन में

राहुल : नमस्ते ! तुम कहाँ जा रहे हो?

कुमार : नमस्ते ! मैं दिल्ली जा रहा हूँ, मेरी ट्रेन एक घंटे में है।

राहुल : अच्छा, मुझे भी दिल्ली जाना है। किस ट्रेन से जा रहे हो?

कुमार : मैं ‘राजधानी एक्सप्रेस’ से जा रहा हूँ। तुम्हारी ट्रेन कौन सी है?

राहुल : मैं ‘शताब्दीएक्सप्रेस’ से जा रहा हूँ। यह भी जल्दी पहुँचती है।

कुमार : हाँ, शताब्दी भी अच्छी ट्रेन है।

वैसे, तुम दिल्ली क्यों जा रहे हो?

राहुल : मुझे वहाँ एक सेमिनार में भाग लेना है। हमारी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने बुलाया है।

कुमार : वाह, बहुत अच्छा! किस विषय पर सेमिनार है?

राहुल : ‘समाज शास्त्र में आधुनिक परिवर्तन’ पर है। तुम इन दिनों क्या कर रहे हो?

कुमार : मैं भी इसी विषय में कुछ शोध कर रहा हूँ, लेकिन इस बार छुट्टियों में वापस घर जा रहा हूँ।

राहुल : बहुत अच्छा! वैसे, ट्रेन में यात्रा कैसी रहती है?

कुमार : ‘राजधानी एक्सप्रेस’ की यात्रा आरामदायक होती है, तुम भी ध्यान रखना, ट्रेन में आराम से बैठना।

राहुल : हाँ, बिल्कुल। इस बार मैंने ऑनलाइन टिकट लिया है।

कुमार : अच्छा! मैं भी हर बार ऑनलाइन ही टिकट लेता हूँ, इससे कोई परेशानी नहीं होती।

राहुल : ठीक है, फिर। आप से मिलकर अच्छा लगा।

कुमार : हाँ, मुझे भी। ट्रेन की यात्रा शुभ हो!

राहुल : धन्यवाद ! तुम्हारी भी यात्रा सुखद हो!

कुमार : जी, धन्यवाद।

റെയിൽവേസ്റ്റേഷനിൽ കണ്ടുമുട്ടിയ രണ്ടു വ്യക്തികൾ തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ്. ട്രെയിനിൻറെ സമയവും ഏത് ട്രെയിനിലാണ് ഇരുവരുടെയും യാത്ര, എന്തിനുവേണ്ടിയാണ് ഇരുവരുടെയും യാത്ര. ഇതെല്ലാമാണ് ഈ സംഭാഷണത്തിലെ ചർച്ചാവിഷയം

जल्दी	-	വേഗത്തിൽ
भाग लेना	-	പങ്കെടുക്കാൻ
छुट्टी	-	അവധി
परेशानी	-	ബുദ്ധിമുട്ട്

1.2.6 बैंक में

ग्राहक : नमस्ते, क्या आप मेरी मदद कर सकते हैं?

अधिकारी : नमस्ते, हाँ, बिल्कुल। कहिए, मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूँ?

ग्राहक : मुझे एक नया बचत खाता खोलना है।

अधिकारी : पहले आप कृपया इस फ़ॉर्म को भर दीजिए। फिर इसके साथ अपना आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट साइज फ़ोटो भी लाइए।

ग्राहक : ठीक है, मेरे पास ये सारे डॉक्यूमेंट्स हैं। मुझे खाता खोलने में कितना समय लगेगा?

अधिकारी : अगर आपके सारे दस्तावेज सही और पूर्ण हैं, तो खाता खोलने में लगभग 30 मिनट का समय लगेगा।

ग्राहक : अच्छा, क्या मुझे न्यूनतम बैलेंस रखना होगा?

बैंक अधिकारी: हाँ, आपको अपने खाते में कम- से-कम 2000 रुपये का न्यूनतम बैलेंस बनाये रखना होगा।

ग्राहक : ठीक है, मैं कल आकर अपना खाता खोलूँगा।

बैंक अधिकारी : बिल्कुल, आपका स्वागत है। अगर आपको और किसी प्रकार की मदद चाहिए, तो कृपया हमें बतायें।

ग्राहक : धन्यवाद, आपका दिन शुभ हो !

बैंक अधिकारी : धन्यवाद, आपका भी दिन शुभ हो।

ബാങ്കിൽ സേവിങ്സ് അക്കൗണ്ട് തുറക്കുന്നതിനായി വരുന്ന വ്യക്തികളുമായുള്ള സംഭാഷണമാണ്. ബാങ്ക് അധികാരി അക്കൗണ്ട് തുടങ്ങുന്നതിന് 2000 രൂപ നിക്ഷേപം ആവശ്യമുണ്ടെന്നും എല്ലാ ഡോക്യുമെന്റ്സും ശരിയാണെങ്കിൽ 30 മിനിട്ട് കൊണ്ട് അക്കൗണ്ട് തുടങ്ങാമെന്നുമുള്ള വിവരങ്ങൾ നൽകുന്നുണ്ട്.

खाता	-	അക്കൗണ്ട്
खोलना	-	തുറക്കുക/ തുടങ്ങുക
लगभग	-	ഏകദേശം

1.2.7 थाने में

चन्दन : नमस्ते, मुझे रिपोर्ट दर्ज करवानी है।

पुलिस ऑफिसर: नमस्ते! क्या हुआ, बताइए।

चन्दन : कल मेरी गाड़ी चोरी हो गई थी।

पुलिस ऑफिसर: कहाँ से चोरी हो गयी?

चन्दन : मेरे घर के पास हुई थी, जब मैं बाजार गया था।

पुलिस ऑफिसर: ठीक है, आपकी गाड़ी का नंबर और रंग बताइए।

चन्दन : गाड़ी का नंबर ABC 1234 है, और रंग काला है।

पुलिस ऑफिसर: ठीक है ! हम इस मामले की जांच

करेंगे। आपको जल्द ही जानकारी दी जाएगी।

चन्दन : धन्यवाद, सर।

पुलिस ऑफिसरः चिंता मत कीजिए, हम पूरी कोशिश करेंगे।

വാഹനം നഷ്ടപ്പെട്ട വ്യക്തി പോലീസ് സ്റ്റേഷനിൽ പരാതി നൽകുന്നതിനായി കടന്നുവരുന്നതാണ് സന്ദർഭം. വണ്ടിനമ്പറും നിറവുമെല്ലാം അന്വേഷിച്ച് പോലീസ് അധികാരി വേണ്ട നടപടികൾ സ്വീകരിക്കുമെന്നുള്ളതാണ് ഇതിലെ ചർച്ചാവിഷയം.

दर्ज	-	രേഖപ്പെടുത്തുക
चोरी	-	മോഷണം
बाज़ार	-	ചന്തം
गाडी	-	വണ്ടി
जांच	-	അന്വേഷണം

1.2.8 हवाई अड्डे पर

अविनाश : नमस्ते! क्या आप भी दिल्ली जा रहे हैं?

गणेश : नमस्ते! हाँ, मैं दिल्ली जा रहा हूँ।

अविनाश : मुझे भी दिल्ली ही जाना है। मेरी फ्लाइट भी जल्दी निकलेगी।

गणेश : अच्छा! आप दिल्ली क्यों जा रहे हैं?

अविनाश : मुझे एक बिजनेस मीटिंग में भाग लेना है। आप?

गणेश : मैं वहाँ एक फैमिली फंक्शन में जा रहा हूँ।

अविनाश : अच्छा, बहुत अच्छा! वैसे, फ्लाइट की चेक-इन कहाँ हो रही है?

गणेश : चेक-इन काउंटर नंबर 5 पर हो रही है। आप वहाँ से चेक-इन कर सकते हैं।

अविनाश : धन्यवाद! मैंने ऑनलाइन चेक-इन किया है, बस अब सुरक्षा जांच केलिए जाना है।

गणेश : बहुत अच्छा! ऑनलाइन चेक-इन करने से समय बचता है।

अविनाश : हाँ, बिल्कुल। अब आपको कितना समय है फ्लाइट केलिए?

गणेश : मेरी फ्लाइट 2 घंटे बाद है, तो अब थोड़ा आराम कर सकता हूँ।

अविनाश : मुझे थोड़ी देर में बोर्डिंग पास मिलेगा। फिर हम दोनों साथ चल सकते हैं।

गणेश : बिल्कुल, कोई दिक्कत नहीं। आप कहीं और भी जायेंगे या दिल्ली से वापसी है?

अविनाश : नहीं, मैं दिल्ली से ही वापसी कर रहा हूँ।

गणेश : अच्छा! फिर ठीक है, मिलते हैं चेक-इन के बाद।

अविनाश : हाँ, ठीक है। शुभयात्रा!

गणेश : धन्यवाद! आपको भी शुभयात्रा।

വിമാനത്താവളത്തിൽ കണ്ടുമുട്ടുന്ന രണ്ടു വ്യക്തികൾ തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ്. എവിടേയ്ക്കാണ് തങ്ങളുടെ യാത്രയെന്നുള്ളതും ചെക്ക്-ഇൻ സംബന്ധിച്ചുള്ള വിവരങ്ങളും കൈമാറുന്നതാണ് ഇതിലെ സന്ദർഭം.

जल्दी	-	പെട്ടെന്ന്
भाग लेना	-	പങ്കെടുക്കാൻ
सुरक्षा	-	രക്ഷാ
घंटे	-	മണിക്കൂർ
थोडा	-	കുറച്ച്

1.2.9 अस्पताल में

मरीज़ : नमस्ते डॉक्टर साहब, मुझे बहुत तेज़ सिरदर्द हो रहा है।

डॉक्टर : नमस्ते ! और कोई तकलीफ है?

मरीज़ : हाँ, थोड़ी सी उल्टी भी है और बुखार भी।

डॉक्टर : आपको कबसे यह तकलीफ हो रही है?

मरीज़ : पिछले दो-तीन दिन से।

डॉक्टर : ठीक है, मुझे लगता है कि आपको संक्रमण हो गया है। आपको कुछ टेस्ट करवाने केलिए लिखता हूँ।

मरीज़ : टेस्ट करवाने की क्या ज़रूरत है, डॉक्टर साहब?

डॉक्टर : टेस्ट से हमें यह पता चलेगा कि आपको क्या बीमारी है और उसका इलाज कैसे किया जाए।

मरीज़ : ठीक है, डॉक्टर साहब।

डॉक्टर : आप पहले लैब में जाकर खून का परीक्षण करवाइए, और फिर वापस मेरे पास आ जाइए।

मरीज़ : धन्यवाद, डॉक्टर साहब।

डॉक्टर : कोई बात नहीं। ध्यान रखें, खूब पानी पिएँ और आराम करें।

मरीज़ : जी, डॉक्टर साहब।

मरीज़(after tests): डॉक्टर साहब, मैंने टेस्ट करवाए हैं।

डॉक्टर : बहुत अच्छा। टेस्ट रिपोर्ट्स देखकर लगता है कि आपको हल्का वायरल बुखार है। चिंता की बात नहीं है।

मरीज़ : इसका इलाज क्या होगा, डॉक्टर साहब?

डॉक्टर : मैं आपको कुछ दवाइयाँ दूँगा। इन दवाओं को सही समय पर लें और आराम करें।

मरीज़ : धन्यवाद, डॉक्टर साहब। मुझे ठीक होने में कितना समय लगेगा?

डॉक्टर : अगर आप दवाइयाँ ठीक से लेंगे और आराम करेंगे, तो एक हफ्ते में ठीक हो जाएँगे।

मरीज़ : धन्यवाद, डॉक्टर साहब।

डॉक्टर : ध्यान रखना। अगर तकलीफ बढ़े, तो तुरंत आकर दिखाइए।

मरीज़ : जी, डॉक्टर साहब।

ഡോക്ടറും രോഗിയും തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണമാണ് ഇതിലെ ചർച്ചാവിഷയം. രോഗി തന്റെ രോഗത്തെ കുറിച്ച് അന്വേഷിക്കുന്നതും ഡോക്ടർ അതു വിശദീകരിച്ച് നൽകുന്നതുമാണ് സന്ദർഭം.

साहब	-	സർ
तकलीफ	-	പ്രയാസം
करवाने	-	ചെയ്യിക്കാൻ
खून	-	രക്തം
परीक्षण	-	ടെസ്റ്റ്
हल्का	-	ചെറിയ
मरीज़	-	രോഗി
दवाई	-	മരുന്ന്
ध्यान	-	ശ്രദ്ധ

Recap / पुनरावृत्ति

- दैनिक जीवन में सार्वजनिक जगहों में संवाद होता है
- विभिन्न आवश्यकताओं केलिए संवाद किया जाता है
- प्रत्येक क्षेत्र में प्रत्येक विषय को लेकर संवाद चलते है
- ऐसे सामान्य संवादों का अभ्यास करने से भाषागत कौशल विकसित किया जा सकता है

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. स्कूल में छात्रों के बीच बातचीत का मुख्य उद्देश्य क्या है?
2. ऑफिस में सहकर्मियों के बीच संवाद का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
3. डॉक्टर के पास जाने पर मरीज को क्या बताना चाहिए?
4. "कल गणित एवं हिन्दी के अध्यापक आए थे"- इस जवाब का संभाव्य प्रश्न क्या है?
5. "रिश्तेदारों में पिताजी और बुआ को भी यही बिमारी है"- इस जवाब का प्रश्न क्या हो सकता है?

Answers / उत्तर

1. पढ़ाई से संबंधित समस्याओं का समाधान करना
2. कार्य और परियोजनाओं पर विचार-विमर्श करना
3. बीमारी के लक्षण
4. कल कौन-कौन से अध्यापक आए थे?
5. आपके रिश्तेदारों में किसी को ऐसी बिमारी है क्या?

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. अस्पताल में डॉक्टर के साथ हुए एक वार्तालाप तैयार कीजिए।
2. बैंक में एक खाता खोलने केलिए अधिकारियों के साथ एक वार्तालाप लिखिए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. सोपान : अमन प्रकाशन
2. मेल मिलाप : वाणी प्रकाशन

SGOU

इकाई 3

सड़क पर, पुस्तकालय में, सब्जीवाले के साथ

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- प्रभावी रूप से संवाद करने में सक्षम होता है
- विभिन्न स्थानों में प्रयुक्त व्यावहारिक शब्दों और वाक्यांशों को समझता है
- शिक्षार्थी अपने दैनिक जीवन में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ सामान्य बातचीत कर सकता है
- विभिन्न सामाजिक और व्यावसायिक सेटिंग्स में आत्मविश्वास के साथ संवाद करना सीखता है

ദൈനംദിന ജീവിതത്തിലുള്ള വ്യത്യസ്ത സന്ദർഭങ്ങളിലെ സംഭാഷണങ്ങളിലൂടെ ഹിന്ദി ഭാഷയിൽ നന്നായി ആശയവിനിമയം നടത്താനുള്ള കഴിവ് നേടിയെടുക്കാൻ പ്രയോജനപ്പെടും വിധമാണ് ഈ യൂണിറ്റിന്റെ ഘടന.

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

इस विषय को समझने से पहले, यह जरूरी है कि हम दैनिक जीवन में होनेवाली सामान्य बातचीत की मूल बातें जानें। सड़क पर, पुस्तकालय में, और सब्जीवाले के साथ बातचीत करते समय कुछ सामान्य शब्दों और वाक्यांशों का ज्ञान होना आवश्यक है। इन स्थानों पर संवाद करते वक्त हमें न केवल अपनी जरूरतों को सही तरीके से व्यक्त करना होता है, बल्कि हमें यह भी समझना होता है कि किसी दूसरे व्यक्ति से सूचना प्राप्त करने या किसी सेवा का लाभ उठाने केलिए उपयुक्त प्रश्न और विनम्रता की आवश्यकता होती है। यह बातचीत का अभ्यास हमारे संचार कौशल को बेहतर बनाने केलिए महत्वपूर्ण है।

വ്യത്യസ്ത സ്ഥലങ്ങളിൽ ഉപയോഗിക്കുന്ന ശബ്ദങ്ങളും പ്രയോഗങ്ങളും പഠിതാവിന് മനസിലാക്കാൻ കഴിയുന്നു. പച്ചക്കറിക്കാരനോടും റോഡിലും പുസ്തകശാലയിലുമെല്ലാം സംഭാഷണത്തിലേർപ്പെടുമ്പോൾ ചില വിശേഷപദങ്ങൾ പ്രയോഗിക്കുന്നതിനെക്കുറിച്ച് മനസിലാക്കുന്നു.

Keywords / मुख्य बिन्दु

दुर्घटना, भिंडी, बैंगन, ककडी, करेला, अनुज्ञापत्र

Discussion / चर्चा

सड़क पर, पुस्तकालय में, और सब्जीवाले के साथ होनेवाली बातचीत, हमारे दैनिक जीवन के सामान्य अनुभव हैं। इन जगहों पर हमें विभिन्न प्रकार की जानकारी और सेवाएँ प्राप्त करने केलिए बातचीत करनी होती है। सड़क पर हम रास्ते के बारे में पूछते हैं, पुस्तकालय में हम किताबें तलाशते हैं, और सब्जीवाले से हम ताजगी और मूल्य के बारे में जानकारी लेते हैं। इन साधारण वार्तालापों के माध्यम से हम न केवल अपनी जरूरतें पूरी करते हैं, बल्कि यह भी सीखते हैं कि कैसे प्रभावी और विनम्र तरीके से संवाद किया जाए।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

के बारे में - എന്തെങ്കിലും വിഷയത്തെക്കുറിച്ചോ ഏതെങ്കിലും വ്യക്തിയെക്കുറിച്ചോ ഉള്ള കാര്യം

घर के बारे में - വീടിനെക്കുറിച്ച്

चिडियों के बारे में - പക്ഷികളെക്കുറിച്ച്

गाँधीजी के बारे में - ഗാന്ധിജിയെക്കുറിച്ച്

दुघर्टना के बारे में - അപകടത്തെക്കുറിച്ച്

1.3.1 सड़क पर

अरूण और नीरज दोस्त हैं। सुबह दोनों मिले हैं। कल रात को सड़क पर हुई दुर्घटना के बारे में चर्चा कर रहे हैं।

(രാവിലെ കണ്ടുമുട്ടിയ സുഹൃത്തുക്കളായ അരുണും നീരജും തലേദിവസം രാത്രിയിൽ റോഡിലുണ്ടായ അപകടത്തെക്കുറിച്ച് ചർച്ച ചെയ്യുന്നു.)

अरूण : गुड़मोर्निंग नीरज

नीरज : गुड़मोर्निंग अरूण.......

अरूण : क्या तुमने कोचिन जानेवाले रास्ते में प्रीमियर सिग्नेल पर हुई दुर्घटना के बारे में सुना?

नीरज : मैं सुबह उसी के बारे में अखबार में पढ़ रहा था। अरूण कल हम प्रतिदिन होनेवाली दुर्घटनाओं के बारे में बात कर रहे थे न?

अरूण : एक बस और मारुति कार के बीच टक्कर हुई थी। कई लोग बुरी तरह घायल हुए और अस्पताल पहुँचाये गये। कार का ड्राइवर उसी दम मर गया। नीरज, मैं सुबह दुर्घटना-स्थान गया था।

नीरज : बेचारा। अरूण इन रोड़ दुर्घटनाओं को रोकने का कोई उपाय नहीं है क्या? वह राजमार्ग जहाँ पर दुर्घटना हुई, काफ़ी विस्तृत भी है।

अरूण : सड़कों के विशाल होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। विशाल होने के साथ सड़कों को गड्ढे रहित भी होना चाहिए। हमारी सड़कें गड्ढ़ों से भरी हैं और उनसे बचने की कोशिश में अक्सर सामने से आनेवाली गाड़ी से टकरा जाते हैं।

नीरज : यही नहीं, गाड़ियाँ तेज़ रफ्तार से चलती हैं और गड्ढ़ों से बचने केलिए सहसा मुड़ती हैं।

अरूण : और एक कारण लोगों की हड़बड़ी भी है।

नीरज : कभी-कभी ड्राइवर का नशा भी कारण बनता है।

अरूण : मेरी राय में परिवहन विभाग को अनुज्ञा पत्र देने में और सख्त होना चाहिए। विभाग की निरंकुशता औ भ्रष्टाचार पर आरोप आजकल खूब प्रचलित हैं।

नीरज : और मेरा मत है कि हर जिले में एक सार्वजनिक समिति हो जो इसका जाँच-पड़ताल करे।

अरूण : देखो सुरेश, पैदल यात्री भी ऐसी दुर्घटनाओं केलिए उत्तरदायी हैं।

नीरज : हाँ ज़रूर..... तूने बिलकुल सही कहा।

अरूण : मुझे लगता है कि ड्राइवरों और साधारण जनता को सड़क के नियमों से परिचित कराना चाहिए।

नीरज : दोस्त, सुझाव रखना तो आसान है, मगर उन्हें अमल में लाना बहुत मुश्किल है।

अरूण : सुरेश कोशिश तो की जा सकती है न? पिछले महीने कोचिन से 25 किलोमीटर दूर स्थित आलुवा टाऊन में पुलिस और परिवहन विभागों की ओर से लोगों को रोड़ सुरक्षा का अवबोध देने केलिए एक दिलचस्प कार्यक्रम शुरू किया गया था। उसका नाम था “Each one teach one”.

नीरज : हाँ, अखबारों में पढ़ा था।

अरुण : पुलिस गाड़ियों में घूमकर सुरक्षा नियम तोड़नेवाली गाड़ियों और लोगों को लाऊडस्पीकर से सूचना देती रहती थी। यह एक हफ्ते केलिए हुआ। मैं सोचता हूँ कि यह कार्यक्रम दूसरे शहरों में भी चालू किया जाए तो रोड़ दुर्घटनाओं की संख्या में कमी हो जाएगी।

नीरज : इसका कोई फायदा हुआ क्या?

अरुण : हो रहा है, पुलिस अब भी कोशिश कर रही है।

नीरज : निरन्तर होती दुर्घटनाओं से हम वाकई डर जाते हैं। ठीक है दोस्त.... फिर मिलेंगे।

बा.....इ..... बाइ.... बाइ....

दुर्घटना	-	അപകടം
प्रतिदिन	-	ദിവസവും
सुबह	-	രാവിലെ
टक्कर होना	-	കൂട്ടിമുട്ടുക
अखबार	-	ദിനപത്രം
घायल होना	-	മുറിവേൽക്കുക
उसी दम	-	തൽക്ഷണം
नशा	-	ലഹരി
बेचारा	-	പാവം
परिवहन विभाग	-	ഗതാഗതവകുപ്പ്
रोकना	-	തടയുക
सख्त होना	-	കർശനമാക്കുക
भ्रष्टाचार	-	അഴിമതി
राजमार्ग	-	ഹൈവേ
सार्वजनिक समिति	-	പൊതുകമ്മിറ്റി
गडढे	-	കുഴികൾ
जाँच - पडताल करना	-	നിരീക്ഷിക്കുക
पैदल यात्री	-	കാൽ നടയാത്രക്കാർ
अवबोध	-	ബോധവൽക്കരണം
सूझाव रखना	-	നിർദ്ദേശിക്കുക
दिलचस्प कार्यक्रम	-	രസകരമായ പരിപാടി
अमल में लाना	-	പ്രാവർത്തികമാക്കുക
तेज़ रफतार	-	അമിതവേഗം
चालू करना	-	നടപ്പിലാക്കുക
फायदा	-	പ്രയോജനം
कोशिश करना	-	പരിശ്രമിക്കുക
वाकई	-	സത്യത്തിൽ / യഥാർത്ഥത്തിൽ

1.3.2 पुस्तकालय में

(ലൈബ്രറിയിൽ രണ്ടു സുഹൃത്തുക്കൾ തമ്മിലുള്ള സംഭാഷണം)

अनिल : नमस्ते, तुम क्या कर रहे हो?

राजू : नमस्ते! मैं पुस्तकालय में पढ़ाई कर रहा हूँ। तुम क्या कर रहे हो?

अनिल : मैं भी पुस्तकालय में ही था। क्या तुमने कोई नई किताब पढ़ी?

राजू : हाँ, मैंने एक इतिहास की किताब पढ़ी है। इसमें पुराने समय के बारे में बहुत जानकारी है। तुमने?

अनिल : मैं तो साहित्य की किताबें पढ़ता हूँ। मुझे कविता और नाटक बहुत पसंद हैं।

राजू : अच्छा! तुम कौन सा लेखक पढ़ते हो?

अनिल : मैं प्रेमचंद और रवींद्रनाथ टैगोर को बहुत पसंद करता हूँ। तुम?

राजू : मुझे भी प्रेमचंद की किताबें पसंद हैं। उनके उपन्यास समाज की सच्चाई को बहुत अच्छे से दिखाते हैं।

अनिल : बिल्कुल ! पुस्तकालय एक बहुत अच्छा स्थान है, जहाँ हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। यहाँ शांति भी होती है।

राजू : सही कहा तुमने। अगर समय मिले तो हम साथ में यहाँ आकर पढ़ाई कर सकते हैं।

अनिल : हाँ, बिल्कुल ! हमें यहाँ की किताबों का अच्छे से उपयोग करना चाहिए।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY
SGOU

कोई	-	ഏതെങ്കിലും
इतिहास	-	ചരിത്രം
जानकारी	-	അറിവ് / വിവരം
बिल्कुल	-	തീർച്ചയായും

1.3.3 सब्जीवाले के साथ

(പച്ചക്കറിക്കാരനുമായുള്ള സംഭാഷണം)

सब्जीवाला : आईए, क्या चाहिए?

मीना : यह तो सडा है न?

सब्जीवाला : नहीं, ये सब अभी आये हुए हैं।

मीना : टमाटर का क्या भाव है?

सब्जीवाला : एक किलो सात रुपये।

मीना : अच्छा एक किलो ले लो?

सब्जीवाला : और क्या चहिए?

मीना : मटर का क्या भाव है?

सब्जीवाला : छह रुपये किलो।

माना : आधा किलो लो।

सब्जीवाला : भिंडी, बैंगन, ककडी, करेला आदि भी हैं।

मीना : आधा किलो भिंडी और एक किलो करेला भी लो।

सब्जीवाला : ये दोनों के दस रुपये हुए।

मीना : बस। कुल कितने हुए?

सब्जीवाला : कुल बीस रुपए हुए।

मीना : लो बीस रुपये

सब्जीवाला : धन्यवाद।

सडा	-	ചീഞ്ഞ
भाव	-	വില
भिंडी	-	വെണ്ടയ്ക്ക
टमाटर	-	തക്കാളി
आधा	-	½ / അര
बैंगन	-	വഴുതന
ककडी	-	വെള്ളരിയ്ക്ക
करेला	-	പാവയ്ക്ക (കയ്പയ്ക്ക)
मटर	-	പയർ

Recap / पुनरावृत्ति

- वार्तालाप दैनिक जीवन के सामान्य अनुभव है।
- विभिन्न प्रकार की जानकारी केलिए बातचीत आवश्यक है।
- पुस्तकालय में हम पुस्तकें तलाशते हैं।
- सब्जीवाले से हम ताज़गी और मूल्य के बारे में पूछते हैं।
- वार्तालाप से अपनी ज़रूरतें पूरी करते हैं।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. दैनिक जीवन के सामान्य अनुभव क्या है?
2. पुस्तकालयों में हम क्या तलाशते हैं?
3. सब्जीवाले से हम किसकी जानकारी लेते हैं?
4. सड़क पर हम किसकी जानकारी लेते हैं?
5. साधारण वार्तालापों से हम क्या सीखते हैं?
6. किन्हीं दो सब्जियों का नाम लिखिए?

Answers / उत्तर

1. सामान्य बातचीत
2. किताबें
3. ताज़गी और मूल्य के बारे में
4. रास्ते के बारे में
5. प्रभावी और विनम्र संवाद
6. भिंडी, करेला

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. सब्जीवालों के बीच का एक वार्तालाप तैयार कीजिए।
2. पुस्तकालय में बातचीत करने की एक वार्तालाप तैयार कीजिए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. सोपान : अमन प्रकाशन
2. मेल मिलाप : वाणी प्रकाशन
3. रचना का सचः डॉ. षैला पाप्पू, डॉ. रीना जोस
4. व्यवहारिक हिन्दी व्याकरणः अनुवाद तथा रचना : डॉ. एच. परमेश्वरन

SGOU

इकाई 4

किसी वरिष्ठ कवि से साक्षात्कार

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- साक्षात्कार से जीवन, अनुभवों, रचनात्मक प्रक्रिया और साहित्यिक विचारों को जानने का अवसर मिलता है
- सवाल पूछने की कला समझता है
- ध्यान से सुनने की क्षमता हासिल होता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

किसी वरिष्ठ कवि से साक्षात्कार पर चर्चा करने केलिए कुछ आवश्यक पूर्व शर्तें हैं। सबसे पहले, छात्रों को साहित्य और कविता की बुनियादी समझ होनी चाहिए, ताकि वे कवि के विचारों और रचनाओं को सही रूप में समझ सकें। इसके अलावा, कविता की विभिन्न शैलियों, शास्त्रों और काव्यप्रवृत्तियों के बारे में जानकारी होना महत्वपूर्ण है। छात्रों को साहित्यिक इतिहास, प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं के बारे में भी कुछ जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही, संवाद कौशल और साक्षात्कार के मूलभूत तत्वों (जैसे, सवाल पूछने की कला और ध्यान से सुनने की क्षमता) पर भी अभ्यास करना चाहिए। इन सभी बुनियादी बातों की समझ साक्षात्कार को सफल और प्रभावी बनाने में मदद करती है।

ഒരു കവിയുമായി അഭിമുഖസംഭാഷണം നടത്തുന്നതിന് സാഹിത്യത്തെക്കുറിച്ചും കവിതയെക്കുറിച്ചും സാമാന്യമായ ധാരണയെങ്കിലും ഉണ്ടായിരിക്കേണ്ടതാണ്. കവിതയെഴുത്തിൻറെ ശൈലികളെക്കുറിച്ചും കാവ്യശാസ്ത്രത്തെക്കുറിച്ചും കാവ്യപ്രവർത്തികളെക്കുറിച്ചുമൊക്കെയുള്ള അറിവ് കവിയുടെ ചിന്തകളെ ശരിയായി മനസ്സിലാക്കുന്നതിനും കൗശലപൂർണ്ണമായതും അർത്ഥവത്തായതുമായ ചോദ്യങ്ങൾ രൂപപ്പെടുത്തുന്നതിലും സഹായകരമാകും.

Keywords / मुख्य बिन्दु

साक्षात्कार कर्ता, रचनात्मक प्रक्रिया, मानवता की जटिलताओं, साहित्यिक दृष्टिकोण

Discussion / चर्चा

1.4.1 साक्षात्कार

साक्षात्कार को अंग्रेज़ी में Interview कहा जाता है। यह एक प्रकार की चर्चा होती है जिसमें दो से अधिक लोग भाग लेते हैं। आम तौर पर राजनेता, कलाकार, व्यवसायी, साहित्यकार, विशेषज्ञ, खिलाडी, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रसिद्ध व्यक्ति आदि लोगों का ही साक्षात्कार लिया जाता है।

किसी वरिष्ठ कवि से साक्षात्कार एक महत्वपूर्ण और रोचक विषय है, जो साहित्य और काव्य जगत के इतिहास, विकास, और काव्यशास्त्र की गहरी समझ

को जन्म देता है। जब हम किसी वरिष्ठ कवि से साक्षात्कार करते हैं, तो हमें उनके जीवन, अनुभवों, रचनात्मक प्रक्रिया और साहित्यिक विचारों को जानने का अवसर मिलता है। यह साक्षात्कार न केवल उनके व्यक्तित्व और काव्यशैली को समझने में मदद करता है, बल्कि समकालीन साहित्य के संदर्भ में भी एक नई दृष्टि प्रदान करता है। वरिष्ठ कवि अपनी कविता के माध्यम से समाज, संस्कृति, और मानवता की जटिलताओं को व्यक्त करते हैं, और उनका जीवन और कार्य आगामी पीढ़ी के लेखकों और पाठकों केलिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। इस साक्षात्कार के माध्यम से छात्र न केवल साहित्यिक दृष्टिकोण से लाभान्वित होते हैं, बल्कि उन्हें काव्य लेखन की प्रक्रिया और शिल्प के बारे में भी गहरी जानकारी मिलती है।

(കവിയുമായുള്ള അഭിമുഖസംഭാഷണം പഠിതാവിൽ കാവ്യലോകത്തെക്കുറിച്ചും കാവ്യശാസ്ത്രത്തെക്കുറിച്ചും കാവ്യചരിത്രത്തെക്കുറിച്ചുമുള്ള അറിവ് സൃഷ്ടിക്കും. കവിയുടെ ജീവിതം, രചനാപ്രക്രിയ, അനുഭവങ്ങൾ എന്നിവ പഠിതാവിന് പ്രേരണയാകും. കവി കവിതകളിലൂടെ വർത്തമാന സമൂഹത്തിന്റെ ചിത്രമാണ് വരച്ചുകാട്ടുന്നത്. ഇത് പഠിതാവിന്റെ ചിന്താധാരകളെ സ്വാധീനിക്കുകയും പഠിതാവിന് പ്രേരണ നൽകുകയും ചെയ്യുന്നു.)

यहाँ एक छोटा और सरल साक्षात्कार है, जिसे एक हिन्दी कवि के साथ छात्रों केलिए तैयार किया गया है। इस साक्षात्कार में कविता, लेखन प्रक्रिया और प्रेरणा पर चर्चा की गई है।

താഴെ തന്നിരിക്കുന്നത് കവിയുമായുള്ള ലളിതമായ അഭിമുഖസംഭാഷണമാണ്.

1.4.1.1 नमूना

साक्षात्कारकर्ता : नमस्ते! आज हम आपके साथ एक विशेष साक्षात्कार में हैं। हमारे साथ हैं प्रसिद्ध हिन्दी कवि [कवि का नाम] जी। सबसे पहले, हम आपका स्वागत करते हैं।

कवि : नमस्ते! मुझे भी यहाँ आकर खुशी हो रही है। धन्यवाद!

साक्षात्कारकर्ता : सबसे पहले, हमें यह बताइए कि कविता लिखने का आपका सफर कैसे शुरू हुआ?

कवि : कविता लेखन बचपन से ही शुरू हो गया था। मैं हमेशा किताबों में खोया रहता था, और धीरे-धीरे शब्दों का जादू मुझे आकर्षित करने लगा। पहले छोटी-छोटी कविताएँ लिखता था, फिर समय के साथ लेखन की गहराई समझ में आई।

साक्षात्कारकर्ता : क्या आपको कोई खास घटना या अनुभव है, जिसने आपको कविता लिखने केलिए प्रेरित किया?

कवि : हाँ, एक बार जब मैंने अपने आसपास की दुनिया को और करीब से देखा, तो मुझे महसूस हुआ कि हमारी जिंदगी में बहुत सी छोटी-छोटी बातें होती हैं, जो अनकही रहती हैं। उन अनुभवों और भावनाओं को शब्दों में ढालना मुझे बहुत रोमांचक लगा। मुझे यहीं से प्रेरणा मिली कविता लिखने की।

साक्षात्कारकर्ता : आपकी कविताओं में खास तौर पर क्या विषय या मुद्दे प्रमुख होते हैं?

कवि : मेरी कविताएँ अक्सर समाज के संवेदनशील मुद्दों, मानवीय भावनाओं और व्यक्तिगत अनुभवों से जुड़ी होती हैं। मैं खासकर इंसानियत, प्रेम, और स्वतंत्रता पर लिखता हूँ। मेरी कोशिश होती है कि मेरी कविताएँ लोगों को सोचने और महसूस करने केलिए प्रेरित करें।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

साक्षात्कारकर्ता : कविता लिखने की प्रक्रिया क्या होती है? क्या यह एक स्वाभाविक प्रवृत्ति है या इसमें आपको मेहनत लगती है?

कवि : कविता कभी-कभी अचानक आती है, जैसे कोई विचार या भावना मन में बसी होती है और वह खुद ही बाहर आ जाती है। लेकिन कुछ कविताएँ लिखने में समय भी लगता है, क्योंकि शब्दों का चयन, विचारों की गहराई, और भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त करना आसान नहीं होता। इसलिये कह सकता हूँ कि कविता केलिए—प्रेरणा और मेहनत दोनों की जरूरत होती है।

साक्षात्कारकर्ता : आजकल के युवा छात्रों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे, खासकर साहित्य और कविता के संदर्भ में?

कवि : मेरा संदेश यह होगा कि आज के युवा को अपने अंदर की संवेदनाओं और विचारों को पहचानना चाहिए। साहित्य और कविता हमें अपनी भावनाओं को शब्दों में ढालने का एक अद्भुत माध्यम देती है। इसलिए, यदि आप कुछ अलग और नया करना चाहते हैं, तो साहित्य में अपने विचारों को व्यक्त करें, क्योंकि शब्दों में ताकत होती है।

साक्षात्कारकर्ता : बहुत धन्यवाद, [कवि का नाम] जी, हमारे साथ यह साक्षात्कार साझा करने केलिए।

कवि : धन्यवाद ! मुझे भी बहुत अच्छा लगा। आपके साथ अपनी बातें साझा करके खुशी हुई।

बचपन	-	ബാല്യം
जादू	-	Magic
गहराई	-	ആഴം
खास	-	സവിശേഷമായ
घटना	-	സംഭവം
करीत्व	-	അടുത്ത്, സമീപം
महसूस	-	അനുഭവിക്കുക, to feel
रोमांचक	-	ആവേശകരം
शब्दों में ढालना	-	ശബ്ദബദ്ധമാകുക
मुद्दा	-	വിഷയം
अक्सर	-	മിക്കവാറും
संवेदनशील	-	Sensitive
इंसानियत	-	മനുഷ്യത്വം
अचानक	-	പെട്ടെന്ന്
खुद	-	സ്വയം
चयन	-	തിരഞ്ഞെടുപ്പ്
सही तरिका	-	ശരിയായ രീതി
आसान	-	എളുപ്പം
पहचानना	-	തിരിച്ചറിയുക

Recap / पुनरावृत्ति

- साहित्य और काव्य जगत के इतिहास, विकास आदि की गहरी समझ को जन्म देता है।
- कवि की जीवन, अनूभव, रचना प्रक्रिया का ज्ञान।
- व्यक्तित्व और काव्यशैली समझने में सहायक।
- समाज, संस्कृति और मानवता की जटिलताओं को व्यक्त करता है।
- आगामी पीढ़ी के लेखकों और पाठकों केलिए प्रेरण स्रोत।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. साक्षात्कार को अंग्रेज़ी में क्या कहा जाता है?
2. साक्षात्कार में कितने लोग भाग लेते है?
3. किन-किन लोगों का साक्षात्कार लिया जाता है?
4. वरिष्ट कवि से साक्षात्कार करने पर क्या-क्या जानने का अवसर मिलता है?

Answers / उत्तर

1. Interview
2. दो या दो से अधिक
3. राजनेता, कलाकार, व्यवसायी आदि
4. उनके जीवन, अनुभव, रचना प्रक्रिया और साहित्यिक विचार

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. अपने प्रिय कवि के साथ साक्षात्कार करने के लिए प्रश्नावली तैयार कीजए।
2. साक्षात्कार कर्ता के क्या गुण होने चाहिए? अपना मत प्रकट कीजिए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. सोपान : अमन प्रकाशन
2. मेल मिलाप : वाणी प्रकाशन
3. रचना का सचः डॉ. पैला पाप्पू, डॉ. रीना जोस
4. व्यवहारिक हिन्दी व्याकरणः अनुवाद तथा रचना : डॉ. एच. परमेश्वरन

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

इकाई 5

फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- फिल्म उद्योग, अभिनय और सिनेमा के बुनियादी पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त होता है
- अभिनेता के काम, और अभिनय शैलियों के बारे में समझता है
- अच्छे सवाल पूछने की कला समझता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार विषय पर चर्चा करने केलिए छात्रों को फिल्म उद्योग, अभिनय और सिनेमा के बुनियादी पहलुओं के बारे में जानकारी होनी चाहिए। उन्हें फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, अभिनेता के काम, और अभिनय शैलियों के बारे में समझ होना आवश्यक है। इसके अलावा, साक्षात्कार केलिए संवाद कौशल, अच्छे सवाल पूछने की कला और अभिनेता के विचारों को सही तरीके से समझने की क्षमता भी महत्वपूर्ण है। इन पूर्व शर्तों के साथ, छात्र इस साक्षात्कार को अधिक प्रभावी औ रसार्थक बना सकते हैं।

സിനിമാതാരവുമായി അഭിമുഖം നടത്തുന്നതിന് സിനിമയെക്കുറിച്ചും അതുമായി ബന്ധപ്പെട്ട വിവിധ മേഖലകളെക്കുറിച്ചും അറിവ് ഉണ്ടായിരിക്കേണ്ടത് അത്യന്താപേക്ഷിതമാണ്. ഇതിനുപുറമെ ആശയവിനിമയചാതുരിയും ഉണ്ടായിരിക്കേണ്ടതാണ്. ഈ വിധത്തിൽ അഭിമുഖസംഭാഷണം സാർത്ഥകമാക്കാവുന്നതാണ്.

Keywords / मुख्य बिन्दु

इंटरव्यू, बॉलीवुड, मशहूर अभिनेता, थिएटर, फिल्मइंडस्ट्री, फीडबैक

Discussion / चर्चा

फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार एक अत्यधिक दिलचस्प और समृद्ध विषय है, जो छात्रों को सिनेमा और फिल्म उद्योग की दुनिया में गहरी समझ प्रदान करता है। जब हम किसी फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार करते हैं, तो हमें उनकी कला, उनके अभिनय की प्रक्रिया, जीवन के संघर्षों और उनके व्यक्तिगत अनुभवों को जानने का अवसर मिलता है। अभिनेता का जीवन सिर्फ पर्दे तक सीमित नहीं होता, बल्कि उनके सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं को भी समझने का यह एक मौका है। यह साक्षात्कार फिल्म जगत में उनके योगदान को जानने के साथ-साथ छात्रों को प्रेरणा और प्रोत्साहन देने का भी एक तरीका होता है। फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार के माध्यम से छात्र अभिनय की तकनीक, फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, और कलाकारों की मेहनत और संघर्ष को समझ सकते हैं, जो उन्हें सिनेमा की

गहरी समझ और सराहना में मदद करता है।

(അഭിനേതാവുമായുള്ള അഭിമുഖസംഭാഷണം സിനിമാമേഖലയെക്കുറിച്ച് ആഴത്തിലുള്ള അറിവ് സമ്പാദിക്കുവാൻ പഠിതാവിനെ സജ്ജരാക്കുന്നു. അഭിനയ കലയെക്കുറിച്ചും സിനിമാസാങ്കേതികവിദ്യകളെക്കുറിച്ചും തിരശ്ശീലയ്ക്ക് മുന്നിലും പിന്നിലുമായുള്ള അഭിനേതാവിൻറെ ജീവിതം, സംഘർഷങ്ങൾ എന്നിവയെക്കുറിച്ചുള്ള അറിവ് പഠിതാക്കൾക്ക് പ്രേരണാദായകമാക്കാം.)

यहाँ एक छोटा और सरल साक्षात्कार है, जो एक फिल्म स्टार के साथ किया गया है।

അഭിനേതാവുമായുള്ള ഒരു ലളിതമായ അഭിമുഖസംഭാഷണം താഴെ തന്നിരിക്കുന്നു.

(അഭിനേതാവിനെ സ്വാഗതം ചെയ്ത് സിനിമാജീവിതത്തിൻറെ ആരംഭത്തെക്കുറിച്ച് ചോദിക്കുന്നു. ആദ്യകാലത്തെ ബുദ്ധിമുട്ടുകളെക്കുറിച്ച് പറയുന്നു. തീയേറ്ററും സിനിമയും തമ്മിലുള്ള വ്യത്യാസത്തെക്കുറിച്ചും സിനിമാമേഖലയിലെ പ്രേരണയെക്കുറിച്ചും വെല്ലുവിളി നിറഞ്ഞ വേഷത്തെക്കുറിച്ചും ചോദിക്കുന്നു. യുവജനതയ്ക്കായി ഉത്സാഹത്തോടെ ലക്ഷ്യത്തിലേക്ക് മുന്നേറുവാനുള്ള സന്ദേശവും നൽകുന്നു.)

1.5.1 फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार

साक्षात्कारकर्ता : नमस्ते, आज हम आपके साथ एक खास इंटरव्यू में हैं। हमारे साथ हैं बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता, अनिल कपूरजी। सबसे पहले, आपका हमारे शो में स्वागत है !

फिल्मस्टार : धन्यवाद! मुझे यहाँ आकर बहुत खुशी हो रही है।

साक्षात्कारकर्ता : सबसे पहले, हमें यह बताइए कि फिल्मों में आने का आपका सफर कैसे शुरू हुआ?

फिल्मस्टार : मेरा सफर बहुत ही साधारण था। मैं पहले थिएटर करता था। धीरे-धीरे मुझे फिल्मों के मौका मिलने लगे। शुरुआत में बहुत तकलीफ हुई, फिर धीरे-धीरे पहचान बनने लगी।

साक्षात्कारकर्ता : थिएटर और फिल्म इंडस्ट्री में क्या मुख्य फर्क आपको महसूस होता है?

फिल्मस्टार : थिएटर में आपको लाइव ऑडियंस से फीडबैक मिलता है, हरदिन अलग अनुभव होता है। वहीं, फिल्मों में आपको ज्यादा टेक्निकल चीज़ों का ध्यान रखना पड़ता है, जैसे कैमरा एंगल, लाइटिंग। दोनों का अपना अलग मज़ा है।

साक्षात्कारकर्ता : फिल्म इंडस्ट्री में आपके सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत कौन हैं?

फिल्मस्टार : मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा अमिताभ बच्चन जी हैं। उनका अभिनय और मेहनत मुझे हमेशा प्रेरित करता रहा है। इसके अलावा, मेरे परिवार से भी मुझे बहुत प्रेरणा मिलती है।

साक्षात्कारकर्ता : आप केलिए सबसे चुनौती पूर्ण रोल कौन-सा था?

फिल्मस्टार : मुझे 'तेजाब' फिल्म में एक मानसिक रूप से चुनौती पूर्ण किरदार निभाने का मौका मिला था। वह रोल बहुत ही कठिन था, क्योंकि मुझे खुदको उस मानसिक स्थिति में रखना था। लेकिन उस रोल को निभाने के बाद मैंने अभिनय को एक नए नजरिए से देखा।

साक्षात्कारकर्ता : आज के युवा छात्रों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

फिल्मस्टार : मेरी एक ही सलाह है- जो भी आप करना चाहते हैं, उस काम में पूरी लगन और मेहनत से जुट जाएँ। अगर आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो सफलता अपने आप मिलेगी।

साक्षात्कारकर्ता : बहुत-बहुत धन्यवाद, [कलाकार का नाम] जी, हमारे साथ यह साक्षात्कार साझा करने केलिए।

फिल्मस्टार : धन्यवाद! मुझे भी अच्छा लगा आप के साथ बात करके।

मशहूर - പ്രസിദ്ധമായ

सफर - യാത്ര

मौका - അവസരം

शुरूआत - ആരംഭം, തുടക്കം

पहचान - തിരിച്ചറിയൽ

फर्क - വ്യത്യാസം

मेहनत - അധ്വാനം, കഠിനാധ്വാനം

चुनौती - വെല്ലുവിളി

किरदार - വേഷം

निभाना - നിവർത്തിക്കുക, അവതരിപ്പിക്കുക

नज़रिया - കാഴ്ചപ്പാട്, വീക്ഷണകോൺ

लगन - ഉത്സാഹം

साक्षात्कार - അഭിമുഖസംഭാഷണം

Recap / पुनरावृत्ति

- साक्षात्कार एक अत्याधिक दिलचस्प और समृद्ध विषय है।
- अभिनय कला की बारीकियाँ समझता है।
- अभिनेता के जीवन के बारे में जानकारी मिलती है।
- कलाकारों की मेहनत और संघर्ष समझ पाता है।
- छात्रों को प्रेरणा मिलता है।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार करने से किन-किन बातों को जानने का अवसर मिलता है?
2. अभिनेता का जीवन सिर्फ कहाँ तक सीमित नहीं है?
3. साक्षात्कार के दौरान अभिनेता के जीवन का किन-किन पहलूओं को समझने का मौका मिलता है?
4. अभिनय की तकनीक, फिल्म निर्माण की प्रक्रिया आदि छात्र किसके माध्यम से समझ सकता है?
5. साक्षात्कार को अंग्रेज़ी में क्या कहा जाता है?

Answers / उत्तर

1. कला, अभिनय की प्रक्रिया, जीवन के संघर्ष, व्यक्तिगत अनुभव
2. पद तक
3. सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक पहलू
4. साक्षात्कार
5. Interview

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. किसी फिल्म अभिनेता के साथ एक साक्षात्कार तैयार कीजिए।
2. साक्षात्कारकर्ता को क्या-क्या गुण होना चाहिए, अपना विचार व्यक्त कीजिए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. सोपान : अमन प्रकाशन
2. मेल मिलाप : वाणी प्रकाशन
3. रचना का सचः डॉ. षैला पाप्पू, डॉ. रीना जोस
4. व्यवहारिक हिन्दी व्याकरणः अनुवाद तथा रचना : डॉ. एच. परमेश्वरन

SGOU

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

BLOCK - 02

रचनात्मक कार्य (पल्लवन) एवं भाषण कला

SGOU

इकाई 1

कहानी पूरा करना - एक राजा था..

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- हिन्दी भाषा बोलने में सक्षम बनता है
- हिन्दी के सामान्य व्याकरण जानता है
- मूल वाक्य संरचना का ज्ञान प्राप्त करता है
- कहानी लिखने की कला समझता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

छोटे-छोटे वाक्यांशों से कहानी समझने की क्षमता अर्जित करता है। आशय ग्रहण करके कहानी लिखने से हिन्दी लिखने और बोलने में अभ्यास मिलता है।

(ലളിതമായ വാക്കുകളും ചെറിയ വാക്യങ്ങളും ചേർത്ത് കഥകൾ പറയുവാനും എഴുതുവാനും പ്രാപ്തരാക്കുന്നതിലൂടെ ഹിന്ദി ഭാഷ അനായാസം കൈകാര്യം ചെയ്യാൻ സാധിക്കുന്നു.)

Keywords / मुख्य बिन्दु

सोना इकट्ठा करने का स्वप्न, पागलों की भांति दौड़ना, आँसू पोंछना, पानी मूल्यवान, सिर पीट-पीट कर रोना, गिड़गिड़ाकर प्रार्थना करना

Discussion / चर्चा

एक राजा था .... बड़ा लालची ....। संसार में प्यारी वस्तु सोना .... खजाने में .... सोने की ईंटें और अशर्फियां गिनना ....। एक देवदूत आना .... बातचीत करना .... वर देना .... जिस वस्तु को हाथ से स्पर्श करना वह सोना बनना। .... भूखा-प्यासा बनना .... पुत्री सोने की मूर्ति बनना ....। सिर पीट-पीट कर रोना। .... देवता को दया आना .... पानी, सोना, कपड़ा, रोटी आदि का मूल्य समझना। .... देवदूत ने एक कटोरे में जल देना .... लालच का फल समझना।

2.1.1 लालची राजा

एक राजा था। नाम था मिदास। राजा मिदास बड़ा ही लालची था। उसकी पुत्री को छोड़कर उसे दूसरी कोई वस्तु संसार में प्यारी थी तो बस सोना ही प्यारा था। वह रात में सोते-सोते भी सोना इकट्ठा करने का स्वप्न देखा करता था।

एक दिन राजा मिदास अपने खजाने में बैठा सोने की ईटे और अशर्फियां गिन रहा था। अचानक वहाँ एक देवदूत आया उसने राजा से कहा- "मिदास ! तुम

बहुत धनी हो।" मिदास ने मुंह लटकाकर उत्तर दिया "मैं धनी कहाँ हूँ मेरे पास तो यह बहुत थोड़ा सोना है।"

देवदूत बोला– "तुम्हें इतने सोने से भी संतोष नहीं है कितना सोना चाहिए तुम्हें।"

राजा ने कहा– "मैं तो चाहता हूँ कि मैं जिस वस्तु को हाथ से स्पर्श करूं वही सोने की हो जाए।"

देवदूत हंसा और बोला– "अच्छी बात है ! कल सवेरे से तुम जिस वस्तु को छूएगा वह सोने की हो जाएगी।"

उस दिन और रात में राजा मिदास को नींद नहीं आई। वह सुबह उठा उसने एक कुर्सी पर हाथ रखा वह सोने की हो गई। एक मेज को छुआ वह सोने की बन गई। राजा मिदास प्रसननता के मारे उछलने और नाचने लगा वह पागलों की भांति दौड़ता हुआ अपने बगीचे में गया और पेड़ों को छूने लगा फूल, पत्ते, डालियाँ, गमले छुए सब सोने के हो गए। सब चमाचम चमकने लगा। मिदास के पास सोने का पार नहीं रहा।

दौड़ते-उछलते मिदास थक गया। उसे अभी तक यह पता ही नहीं लगा था कि उसके कपड़े भी सोने के होकर बहुत भारी हो गए हैं। वह प्यासा था और भूख भी उसे लगी थी। बगीचे से अपने राजमहल लौटकर एक सोने की कुर्सी पर बैठ गया। एक नौकर ने उसके आगे भोजन और पानी लाकर रख दिया। लेकिन जैसे ही राजा ने भोजन को हाथ लगाया वह भोजन सोने का बन गया। उसने पानी पीने के लिए गिलास उठाया तो गिलास और पानी सोना हो गया। मिदास के सामने सोने की रोटियां, सोने के चावल, सोने के आलू आदि रखे थे। वह भूखा था- प्यासा था सोना चबाकर उसकी भूख नहीं मिट सकती थी।

मिदास रो पड़ा उसी समय उसकी पुत्री खेलते हुए वहाँ आई। अपने पिता को रोते हुए देखकर पिता की गोद में चढ़ कर उसके आंसू पोंछने लगी। मिदास ने पुत्री को अपनी छाती से लगा लिया, लेकिन अब उसकी पुत्री वहाँ-कहाँ थी। गोद में तो उसकी पुत्री की सोने की इतनी वजनी मूर्ति थी कि उसे वह गोद में उठाए भी नहीं रख सकता था। बेचारा मिदास सिर पीट-पीट कर रोने लगा। देवता को दया आ गई वो फिर प्रकट हुआ। उसे देखते ही मिदास उसके पैरों पर गिर पड़ा और "गिड़गिड़ाकर प्रार्थना करने लगा, "अपना वरदान वापस लौटा लीजिए।"

देवता ने पूछा- "मिदास अब तुम्हें सोना नहीं चाहिए। अब बताओ एक गिलास पानी मूल्यवान है या सोना, कपड़ा, रोटी मूल्यवान है या सोना।"

मिदास ने हाथ जोड़कर कहा- "मुझे सोना नहीं चाहिए मैं जान गया हूँ कि मनुष्य को सोना नहीं चाहिए। सोने के बिना मनुष्य का कोई काम नहीं अटकता। एक गिलास पानी और एक टुकड़े रोटी के बिना मनुष्य का काम नहीं चल सकता। अब सोने का लोभ नहीं करूंगा।

देवदूत ने एक कटोरे में जल दिया और कहा– "इसे सब पर छिड़क दो।" मिदास ने वह जल अपनी मेज पर, कुर्सी पर, भोजन पर, पानीपर और बगीचे के पेड़ों पर छिड़क दिया। सब पदार्थ पहले जैसे थे, वैसे ही हो गए। राजा ने यह सबक सीखा कि अत्यधिक लालच करने से हमारे पास जो होता है वह भी नष्ट होता है।

लालची	-	അത്യാഗ്രഹി
मूल्य समझना	-	മൂല്യം തിരിച്ചറിയുക
संसार में	-	ലോകത്തിൽ
कटोरे में	-	കിണ്ണത്തിൽ
सोना	-	സ്വർണ്ണം
खजाना	-	ഖജനാവ്
बतचीत	-	സംഭാഷണം
वर	-	വരം
स्पर्श करना	-	തൊടുക
भूखा-प्यासा	-	വിശപ്പും ദാഹവും ഉള്ളവൻ
मूर्त्ति	-	പ്രതിമ (വിഗ്രഹം)
सिर पीटकर रोना	-	തല തല്ലിക്കരയുക
इकट्ठा करना	-	കൂട്ടി വെയ്ക്കുക (ശേഖരിക്കുക)

डलिया	- പൂക്കൂട(ബാസ്ക്കറ്റ്)	बेचारा	- പാവം
अशर्फियाँ	- നാണയങ്ങൾ	प्रसन्नता के मारे	- സന്തോഷം കൊണ്ട്
पार	- അതിര്	वापस	- തിരികെ
अचानक	- പെട്ടെന്ന്	उछलना	- തുള്ളിച്ചാടുക
भोजन	- ഭക്ഷണം	लोभ	- അത്യാഗ്രഹം
मुँह लटकाना	- ദുഃഖിതനാകുക	छिडकना	- തളിക്കുക
चबाना	- ചവക്കുക	पागल	- ഭ്രാന്തൻ
बहुत थोडा	- വളരെ കുറച്ച്	बगीचा	- പൂന്തോട്ടം
छाती	- നെഞ്ച്	चमचम चमकना	- വെട്ടിത്തിളങ്ങുക
कुर्सी	- കസേര	आँसू पोंछने	- കണ്ണുനീർ തുടക്കുക

Recap / पुनरावृत्ति

- लालची राजा की प्रिय वस्तु सोना था।
- देवता से वर मांग कर सभी वस्तुओं को सोना बनाया।
- अंत में एक गिलास पानी भी न पी सका।
- मिदास रो पड़ा उसी समय उसकी पुत्री खेलते हुए वहाँ आई।
- पुत्री सोने की इतनी वजनी मूर्ति बन गई थी ।
- राजा ने सिर पीट-पीट कर रोने लगा
- देवता को दया आ गई वो फिर प्रकट हुआ।
- देवदूत ने एक कटोरे में जल दिया और सब कहीं छिड़कने को कहा।
- सब पदार्थ पहले जैसे थे, वैसे ही हो गए।
- राजा ने यह सबक सीखा कि अत्यधिक लालच आपत्ति है।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. राजा का नाम क्या था?
2. पुत्री को छोड़कर उसे दूसरी कोई प्यारी वस्तु संसार में क्या थी?
3. राजा मिदास अपने खजाने में बैठते समय वहाँ कौन आया?
4. "मैं तो चाहता हूँ कि मैं जिस वस्तु को हाथ से स्पर्श करूं वही सोने की हो जाए।" यह किसने कहा?
5. मिदास के रोते समय वहाँ कौन आई?
6. राजा ने भोजन को हाथ लगाया तो वह भोजन क्या बन गया?
7. कौन सोने की मूर्ति बन गई थी?
8. राजा ने क्या सबक सीखा?

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Answers / उत्तर

1. मिदास
2. सोना
3. एक देवदूत
4. राजा मिदास
5. उसकी पुत्री
6. सोने
7. उसकी पुत्री
8. अत्यधिक लालच करने से हमारे पास जो होता है वह भी नष्ट होता है

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. कहानी पूरा करें - एक राजा था..
2. "अत्यधिक लालच करने से हमारे पास जो होता है वह भी नष्ट होता है"- लालची राजा कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. व्यावहारिक हिन्दी और रचना : कृष्णा कुमार गोस्वामी।
2. व्यावहारिक हिन्दी शुद्ध प्रयोग : डॉ. ओमप्रकाश।
3. शैक्षिक व्याकरण और हिन्दी : कृष्ण कुमार गोस्वामी।
4. व्यावहारिक सामान्य हिन्दी : डॉ. सविता पाईवाल।

SGOU

इकाई 2

घर में एक अंधी रहती थी..

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- हिन्दी वाचन करके आशय ग्रहण करता है
- हिन्दी के सामान्य व्याकरण जानता है
- मूल वाक्य संरचना का ज्ञान प्राप्त करता है
- कहानी लिखने की कला समझता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

छोटे छोटे वाक्यांशों से कहानी समझने की क्षमता अर्जित करता है। आशय ग्रहण करके कहानी लिखने से हिन्दी लिखने और बोलने में अभ्यास मिलता है।

ചെറിയ ചെറിയ വാക്യങ്ങളിലൂടെ കഥകൾ മനസ്സിലാക്കുവാനുള്ള കഴിവ് നേടിയെടുക്കുന്നു. ആശയം ഗ്രഹിച്ച് ഹിന്ദിയിൽ കഥകൾ എഴുതുവാനും പറയാനുമുള്ള പ്രാവീണ്യം ലഭിക്കുന്നു.

Keywords / मुख्य बिन्दु

बूढी औरत, अकेली, सकून और शांति तोता, अच्छी दोस्त, रात में चोर

Discussion / चर्चा

बूढ़ी औरत .... अंधी .... अकेली .... माँ के पास एक तोता .... अकेलेपन को दूर करता .... बच्चों को शिक्षा देती .... गाँव में एक चोर .... आहट हुई। मैं एक भिखारी .... आओ, बेटा .... चोर का दिल पिघलना .... योजना पर पछतावा .... माफी मांगी .... बुरी आदतें छोड़ .... जिंदगी को नई दिशा .... सच्चे दिल .... रोशनी में बदला ....।

2.2.1 'घर में एक अंधी रहती थी'

एक गाँव में एक बूढ़ी औरत रहती थी जो अंधी थी। उसकी पूरी दुनिया उसकी सुनने की क्षमता और एहसासों पर निर्भर थी। वह अपने घर के छोटे से कमरे में अकेली रहती थी, लेकिन उसका दिल हमेशा लोगों की मदद करने के लिए तत्पर रहता था।

गाँव वाले उसे 'अंधी माँ' कहकर बुलाते थे। उसका घर साधारण था, लेकिन वहाँ हमेशा सुकून और शांति का माहौल रहता था। अंधी माँ के पास एक तोता था जो उसकी सबसे अच्छी दोस्त थी। वह तोता उसकी आवाज सुनकर खुशी से चहकता और अंधी माँ के अकेलेपन को दूर करता था।

अंधी माँ की प्रसिद्धि गाँव के हर कोने में थी। वह अपने अनुभवों और कहानियों से गाँव के बच्चों को

शिक्षा देती। लोग कहते थे कि वह भले ही देख नहीं सकती, लेकिन उसकी आत्मा सबकुछ महसूस करती है।

एक दिन गाँव में एक चोर आया। उसने सुना कि अंधी माँ के पास एक पुराना, लेकिन कीमती हार है, जो उसने अपनी जवानी के दिनों में अपने पति से तोहफे में पाया था। चोर ने रात में उसके घर में घुसने की योजना बनाई।

अंधी माँ को जैसे ही आहट हुई, उसने शांत मन से पूछा, 'कौन है?' चोर ने सोचा कि वह कुछ नहीं कर सकती, इसलिए उसने कहा, 'मैं एक भिखारी हूँ, मुझे खाना चाहिए।' अंधी माँ ने अपने दिल से कहा, 'आओ, बेटा, भूख से बड़ा पाप कुछ नहीं।'

उसने चोर को खाना दिया और अपने बारे में कुछ बातें बताईं। चोर का दिल पिघलने लगा। उसे अपनी योजना पर पछतावा हुआ। उसने सोचा, 'एक अंधी जो मुझे बिना जाने इतना प्यार दे सकती है, मैं उसके साथ विश्वासघात कैसे कर सकता हूँ?'

अगली सुबह, चोर ने गाँव के लोगों से माफी मांगी और अंधी माँ के पास लौटकर कहा, 'माँ, आपने मेरी आत्मा को रोशनी दी है। अब मैं आपकी सेवा करना चाहता हूँ।'

उस दिन से चोर ने अपनी बुरी आदतें छोड़ दीं और अंधी माँ का सहायक बन गया। गाँव वालों ने देखा कि अंधी माँ ने न केवल एक चोर को सुधारा, बल्कि उसकी जिंदगी को नई दिशा दी।

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि सच्चे दिल और नेक इरादों से बड़े से बड़े अंधकार भरी परिस्थिति को भी रोशनी में बदला जा सकता है।

अंधी	-	അന്ധയായ
औरत	-	സ്ത്രീ
एहसास	-	അനുഭവം
मदद करना	-	സഹായിക്കുക
तोता	-	തത്ത
आवाज़	-	ശബ്ദം
चहकता	-	ചിലയ്ക്കുക (ശബ്ദിക്കുക)
कीमती	-	വിലപിടിപ്പുള്ള
तोहफे	-	സമ്മാനം
भिखारी	-	ഭിക്ഷക്കാരൻ (യാചകൻ)
पिघलने	-	ഉരുകുക, അലിയുക
पछतावा	-	പശ്ചാത്താപം
विश्वासघात	-	വിശ്വാസവഞ്ചന

Recap / पुनरावृत्ति

- एक अंधी बूढ़ी औरत रहती थी।
- अपने घर के छोटे से कमरे में अकेली रहती थी।
- अंधी माँ के पास एक तोता था।
- वह अपने अनुभवों और कहानियों से गाँव के बच्चों को शिक्षा देती।
- गाँव में एक चोर आया।
- अंधी माँ के पास एक पुराना, कीमती हार है।
- अंधी माँ ने चोर को खाना दिया और अपने बारे में कुछ बातें बताईं।
- चोर ने गाँव के लोगों से माफी मांगी
- चोर ने अपनी बुरी आदतें छोड़ दीं और अंधी माँ का सहायक बन गया।
- सच्चे दिल और नेक इरादों से बड़े से बड़े अंधकार भरी परिस्थिति को भी रोशनी में बदला जा सकता है।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बूढ़ी औरत कैसी थी?
2. उसकी सबसे अच्छी संगत कौन था?
3. अंधी माँ के अकेलेपन को कौन दूर करता था?
4. 'मैं एक भिखारी हूँ, मुझे खाना चाहिए।' यह किसने कहा?
5. 'आओ, बेटा, भूख से बड़ा पाप कुछ नहीं।' यह किसने कहा?
6. किसका दिल पिघलने लगा?
7. उसे अपनी योजना पर पछतावा हुआ। किसको?
8. गाँव के लोगों से माफी मांगी। कौन?
9. अंधी माँ के पास लौटकर चोर ने क्या कहा?
10. अंधी बूढ़ी औरत कहानी से क्या सीख मिलती है?

Answers / उत्तर

1. अंधी
2. तोता
3. तोता
4. चोर
5. अंधी माँ
6. चोर का
7. चोर को
8. चोर
9. 'माँ, आपने मेरी आत्मा को रोशनी दी है। अब मैं आपकी सेवा करना चाहता हूँ।'
10. सच्चे दिल और नेक इरादों से बड़े से बड़े अंधकार भरी परिस्थिति को भी रोशनी में बदला जा सकता है।

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. कहानी पूरा करें -घर में एक अंधी रहती थी ....
2. अंधी बूढ़ी माँ की कहानी अपने शब्दों में लिखिए।
3. सच्चे दिल और नेक इरादों से बड़े से बड़े अंधकार भरी परिस्थिति को भी रोशनी में बदला जा सकता है। सिद्ध कीजिए।
4. इस प्रकार की कोई प्रेरणादायक कहानी लिखिए।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. व्यावहारिक हिन्दी और रचना : कृष्णा कुमार गोस्वामी।
2. व्यावहारिक हिन्दी शुद्ध प्रयोग : डॉ.ओमप्रकाश।
3. शैक्षिक व्याकरण और हिन्दी : कृष्ण कुमार गोस्वामी।
4. व्यावहारिक सामान्य हिन्दी : डॉ. सविता पाईवाल।

SGOU

इकाई 3

एक दिन....

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- मूल वाक्य संरचना का ज्ञान प्राप्त करता है
- कहानी लिखने की कला समझता है
- आशय विकसित करके कहानी लिखने की क्षमता मिलती है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

कहानी कहने और सुनने की रीति प्राचीन काल से प्रचलित है। भाषा प्रयोग करने में यानि बोलने की क्षमता विकसित करने में कहानियों का वचन और लेखन बहुत उपयोगी है। इसके साथ- साथ विभिन्न जीवनोपयोगी संदेश कहानी से मिलते हैं।

കഥയുടെ സർഗ്ഗാത്മകമായ ആവിഷ്കാരം നടത്തുന്നതിലൂടെ നിങ്ങളുടെ ഭാഷാപ്രയോഗശേഷിയും രചനാവൈഭവവും വികസിക്കുന്നു. വാക്യഘടനയും പ്രയോഗസാധ്യതകളും ഗ്രഹിക്കുന്നു.

Keywords / मुख्य बिन्दु

नमक लादकर गाँव जाना ,बोझ फिर हल्का ,मूर्ख प्राणी,बोझ पहले से कई गुना बढ़ जाना ,सबक सिखाए

Discussion / चर्चा

एक दिन एक व्यापारी अपने गधे पर गाँव जाना ....गधे की पीठ पर नमक की बोरी ....रास्ते में नदी.... गधे का पैर फिसलना • बोझ कम होना • नदी में गिरना अगले दिन गधा जान बूझकर नदी में गिरना • व्यापारी रूई खरीदना • बोझ बढ़ना। खूब मेहनत करना .....गधे ने पानी में बैठने की आदत छोड़ दी।

2.3.1 व्यापारी और गधा

एक दिन एक व्यापारी अपने गधे पर नमक लादकर गाँव जा रहा था। वह व्यापारी रोज सुबह अपने गधे पर नमक की बोरियाँ लादकर आस पास के गाँवो में नमक बेचने ले जाया करता था।

आसपास के गाँवो में जाने के लिए उसे कई नाले और छोटी-छोटी नदियाँ पार करनी पड़ती थीं। एक दिन नदी पार करते समय गधा अचानक पानी में गिर पड़ा इससे गधे के शरीर पर लदा हुआ ढेर-सारा नमक पानी में घुल गया अब गधे का बोझ काफी हल्का हो गया। उस दिन गधे को अच्छा आराम मिल गया।

दूसरे दिन वह व्यापारी रोज की तरह गधे पर नमक की बोरियाँ लाद कर नमक बेचने निकला। उस दिन पहले नाले को पार करते समय गधा जानबूझ कर पानी में बैठ गया।

उसकी पीठ का बोझ फिर हल्का हो गया। व्यापारी

उस दिन भी गधे को लेकर वापस लौट आया। पर नमक के व्यापारी के ध्यान में आ गया कि आज गधा जानबूझकर पानी में बैठ गया था। उसे गधे पर बहुत गुस्सा आया। इसलिए डंडे से उसने गधे की खूब पिटाई की। उसने कहा, "मूर्ख प्राणी, तू मुझसे चालाकी करता है। मैं तुझे सबक सिखाए बिना नही रहूँगाँ।" अगले दिन व्यापारी ने गधे पर रूई के बोरे लादे। गधे ने फिर वही तरकीब आजमाने की कोशिश की, नाला आते ही वह पानी में बैठ गया। इस बार उल्टा ही हुआ। रूई के बोरों ने खूब पानी सोखा और गधे की पीठ का बोझ पहले से कई गुना बढ़ गया। पानी से बाहर आने में गधे को खूब मेहनत करनी पड़ी। उस दिन के बाद से गधे ने पानी में बैठने की आदत छोड दी। इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि मूर्ख सबक सिखाने से ही काबू में आते हैं।

नमक	-	ഉപ്പ്
लादना	-	ചുമക്കുക
बोझ	-	ഭാരം
मूर्ख	-	വിഡ്ഢി
फिसलना	-	വീഴുക
बोरि	-	ചാക്ക്
घुल	-	ചേരുക
लौट	-	മടങ്ങുക
चालाक	-	കൗശലം
मेहनत	-	അദ്ധ്വാനം
शिक्षा	-	വിദ്യാഭ്യാസം
सबक सीखना	-	പാഠം പഠിക്കുക

Recap / पुनरावृत्ति

- व्यापारी अपने गधे पर नमक लादकर गाँवो में नमक बेचने ले जाया करता था।
- नदी पार करते समय गधा अचानक पानी में गिर पड़ा।
- अब गधे का बोझ काफी हल्का हो गया।
- अगले दिन व्यापारी ने गधे पर रूई के बोरे लादे।
- गधे की पीठ का बोझ पहले से कई गुना बढ़ गया।
- गधे ने पानी में बैठने की आदत छोड दी।
- मूर्ख सबक सिखाने से ही काबू में आते है।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. व्यापारी अपने गधे पर नमक लादकर कहाँ जा रहा था?
2. व्यापारी रोज सुबह अपने गधे पर नमक की बोरियाँ लादकर क्यों आस पास के गाँवो मे जाया करता था?
3. नदी पार करते समय गधा अचानक कहाँ गिर पड़ा?
4. गधे का बोझ काफी हल्का हो गया कैसे?
5. नमक के व्यापारी को गधे पर बहुत गुस्सा आया।क्यों?
6. "मूर्ख प्राणी, तू मुझसे चालाकी करता है? मैं तुझे सबक सिखाए बिना नही रहूगाँ।" यह किसका कथन है?
7. गधे की पीठ का बोझ पहले से कई गुना बढ़ गया। कैसे?
8. 'व्यापारी और गधा' नामक कहानी का सन्देश क्या है?

Answers / उत्तर

1. गाँव
2. नमक बेचने
3. पानी में गिर पड़ा
4. ढेर-सारा नमक पानी में घुल गया इसलिए
5. व्यापारी के ध्यान मे आ गया कि आज गधा जानबूझकर पानी में बैठ गया।
6. नमक के व्यापारी
7. रूई के बोरों ने खूब पानी सोखा
8. मूर्ख सबक सिखाने से ही काबू में आते है।

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. व्यापारी और गधा नमक कहानी लिखिए
2. कहानी पूरा करें - एक दिन एक...

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. व्यावहारिक हिन्दी और रचना : कृष्णा कुमार गोस्वामी।
2. व्यावहारिक हिन्दी शुद्ध प्रयोग : डॉ. ओमप्रकाश।
3. शैक्षिक व्याकरण और हिन्दी : कृष्ण कुमार गोस्वामी।
4. व्यावहारिक सामान्य हिन्दी : डॉ. सविता पाईवाल।

इकाई
4

खरगोश और कछुए ने दौड़ लगायी...

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- कहानी लिखने की कला समझता है
- आशय विकसित करके कहानी लिखने की क्षमता मिलती है
- सोचने और समझने की क्षमता अर्जित करती है
- बहुमूल्य संदेश प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

कहानी सुनने पढने में बच्चे बड़ी रुचि रखते हैं। कहानी के पीछे कोई ना कोई शिक्षा या मूल ज़रूर छिपा होता है। वह हमें कोई अच्छी सीख देती है। कहानियों के द्वारा अच्छे और नैतिक आचरण का ज्ञान भी मिलता है।

ചെറുകഥകളിലൂടെ ഹിന്ദിഭാഷയിൽ കൂടുതൽ പ്രാവീണ്യം നേടാൻ സാധിക്കുന്നു. വാക്യഘടനയും പ്രയോഗസാധ്യതയും ഗ്രഹിക്കുന്നു.

Keywords / मुख्य बिन्दु

एक खरगोश, कछुए ने दौड़ लगाई, जीत, गलत साबित, धीमी गति, दौड़ना शुरू, आराम करना, जीत हासिल

Discussion / चर्चा

कछुआ और एक खरगोश ....दोनों मित्र ...एक दूसरे से दौड़ लगाने की बात ....खरगोश ने अपनी गति....कछुआ धीमी गति से ....खरगोश ....आसानी से जीत जाएगा....आराम करना .... कछुए ने दौड़ जीत ली....तुमने मुझे गलत साबित ....मैंने तुम्हें कम आंका....अपनी धीमी गति से दौड़ जीत ली।

2.4.1 खरगोश और कछुआ

एक समय की बात है, एक कछुआ और एक खरगोश थे। दोनों ने एक दिन एक दूसरे से दौड़ लगाने की बात कही। खरगोश ने कहा, 'मैं तुम्हें आसानी से हरा दूंगा, तुम तो बहुत धीमे हो।'

कछुआ ने कहा, 'मैं धीमा हो सकता हूँ, लेकिन मैं हार नहीं मानता। मैं तुम्हारे साथ दौड़ लगाऊंगा।'

दोनों ने एक दूसरे के साथ दौड़ लगाने के लिए तैयार हो गए। खरगोश ने अपनी गति से दौड़ना शुरू किया, जबकि कछुआ अपनी धीमी गति से दौड़ने लगा।

खरगोश ने सोचा कि वह आसानी से जीत जाएगा, इसलिए उसने अपनी गति धीमी कर दी और आराम करने लगा। लेकिन कछुए ने हार नहीं मानी और वह अपनी धीमी गति से दौड़ता रहा।

जब खरगोश सो रहा था, कछुए ने उसे पीछे छोड़

दिया और दौड़ जीत ली। खरगोश ने जब अपनी आंखें खोलीं, तो उसने देखा कि कछुआ पहले ही दौड़ जीत चुका था।

खरगोश ने कहा, 'मैंने तुम्हें कम आंका, लेकिन तुमने मुझे गलत साबित कर दिया। तुम्हारी धीमी गति ने मुझे हरा दिया।'

कछुआ ने कहा, 'मैंने तुम्हारी गति को नहीं देखा, लेकिन मैंने अपनी धीमी गति से दौड़ जीत ली। यह साबित होता है कि धीमी गति से भी जीत हासिल की जा सकती है।'

इस कहानी से हमें यह सीखने को मिलता है कि हमें कभी भी अपनी क्षमताओं को कम नहीं आंकना चाहिए। हमें अपनी धीमी गति से भी काम करना चाहिए और हार नहीं माननी चाहिए।

खरगोश	-	മുയൽ
धीमी	-	പതിയെ
कछुआ	-	ആമ
दौड़	-	ഓട്ടം
सोचा	-	ചിന്തിച്ചു
जीत	-	വിജയം
साबित	-	ഉറപ്പിക്കുക
हार	-	തോൽവി

Recap / पुनरावृत्ति

- एक कछुआ और एक खरगोश ने दौड़ लगायी। दोनों एक दूसरे के साथ दौड़ लगाने के लिए तैयार हो गए।
- खरगोश ने सोचा कि वह आसानी से जीत जाएगा, इसलिए उसने अपनी गति धीमी कर दी और आराम करने लगा।
- कछुए ने उसे पीछे छोड़ दिया और दौड़ जीत ली।
- अपनी धीमी गति से कछुए ने दौड़ जीत ली।
- हमें कभी भी अपनी क्षमताओं को कम नहीं आंकना चाहिए।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'मैं तुम्हें आसानी से हरा दूंगा, तुम तो बहुत धीमे हो।'- किसने कहा?
2. मैं धीमा हो सकता हूँ, लेकिन मैं हार नहीं मानता-यह किसका कथन है?
3. कौन सो रहा था?
4. किसने सोचा कि वह आसानी से जीत जाएगा?
5. उसने देखा कि कछुआ पहले ही दौड़ जीत चुका था। किसने?
6. खरगोश और कछुए ने दौड़ लगायी...कहानी का सन्देश क्या है?
7. हमें अपनी धीमी गति से भी क्या करना चाहिए?

Answers / उत्तर

1. खरगोश ने
2. कछुए का
3. खरगोश
4. खरगोश ने
5. खरगोश ने
6. हमें कभी भी अपनी क्षमताओं को कम नहीं आंकना चाहिए।
7. काम

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. कछुआ और खरगोश नमक कहानी लिखिए
2. कहानी पूरा करें - खरगोश और कछुए ने दौड़ लगायी...

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. व्यावहारिक हिन्दी और रचना : कृष्णा कुमार गोस्वामी।
2. व्यावहारिक हिन्दी शुद्ध प्रयोग : डॉ. ओमप्रकाश।
3. शैक्षिक व्याकरण और हिन्दी : कृष्ण कुमार गोस्वामी।
4. व्यावहारिक सामान्य हिन्दी : डॉ. सविता पाईवाल।

इकाई 5

भाषण का अभ्यास

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- भाषण के बारे में जानकारी प्राप्त करता है
- भाषण कला समझता है
- भाषण के विभिन्न भागों को जानता है
- भाषण के प्रकार समझता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

भाषण का अभ्यासः भाषण कला का प्रभावी उपयोग विभिन्न अवसरों पर सफल संवाद और प्रभावशाली प्रस्तुति के लिए किया जाता है। यह कला व्यक्तित्व के विकास और लोगों को प्रेरित करने में सहायक होती है। वाक्य में शब्द लेखन को बेहतर बनाया जाता है।

സംസാരവൈദഗ്ധ്യം വിവിധ അവസരങ്ങളിൽ സഫലമായ സംഭാഷണങ്ങൾക്കും ആശയപ്രസ്തുതീകരണത്തിനും സഹായകരമാകും. ഈ കല വ്യക്തിത്വവികസനത്തിനും മുതൽക്കൂട്ടാണ്.

Keywords / मुख्य बिन्दु

भाषण कला, शब्द वर्ग, भाषण के भाग, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, क्रिया विशेषण, पूर्वसर्ग संयोजन, विस्मयादिबोधक चिह्न

Discussion / चर्चा

2.5.1 भाषण

ध्वनियों और हावभाव द्वारा अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता को भाषण कहते हैं। इसका समानार्थी शब्दः संचार, बातचीत, बोलचाल आदि हैं।

2.5.1.1 भाषण कला

भाषण कला (Speech Art) का अर्थ है, अपने विचारों, भावनाओं और संदेशों को प्रभावी, सुस्पष्ट और रोचक ढंग से व्यक्त करने की कला। यह कला व्यक्तित्व के विकास और लोगों को प्रेरित करने में सहायक होती है। भाषण के विभिन्न भागों को शब्द वर्ग भी कहा जाता है।

भाषण के भागों को समझने से यह पता चलता है कि वाक्य में शब्द कैसे काम करते हैं और लेखन को बेहतर बनाया जा सकता है।

2.5.1.2 भाषण के आठ भाग हैं:

1. **संज्ञा – നാമം**

संज्ञा:- नामवाचक शब्द को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा:- പേരായ ശബ്ദം

उदाहरण:- राम, सीता, नेहरू, राधा, सुंदरता, बुद्धिमानी, क्रोध, सेना, टोली, पानी, दूध।

2. सर्वनाम – സർവ്വനാമം

सर्वनामः- संज्ञा के बदले जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है उन्हें सर्वनाम कहते हैं

सर्वनामः- പേരിന് പകരം ഉപയോഗിക്കുന്ന ശബ്ദം

उदाहरण:- मैं, हम, तू, तुम, आप, यह, वह, ये, वे।

3. क्रिया – ക്രിയ

क्रियाः- जिस शब्द से किसी काम के होने या करने का पता चले, उसे क्रिया कहते हैं।

क्रियाः- പ്രവൃത്തിയെ സൂചിപ്പിക്കുന്ന ശബ്ദം

उदाहरण :- पढ़ना, लिखना, खाना, पीना, खेलना।

4. विशेषण – വിശേഷണം

विशेषणः- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

विशेषणः- വിശേഷതയെ സൂചിപ്പിക്കുന്ന ശബ്ദം

उदाहरणः-बड़ा, काला, लंबा, दयालु, भारी, सुंदर, कायर, टेढ़ा-मेढ़ा, एक, दो।

5. क्रियाविशेषण – ക്രിയാവിശേഷണം

क्रियाविशेषणः- जिस शब्द से किसी क्रिया की विशेषता का पता चलता है उसे क्रिया विशेषण कहते हैं।

क्रियाविशेषणः- ക്രിയയുടെ വിശേഷതയെ സൂചിപ്പിക്കുന്ന ശബ്ദം

उदाहरणः- तेज, गरम, जल्दी, धीरे, नहीं, प्रतिदिन, अभी, वहाँ, थोड़ा, अवश्य, उधर, ऊपर, नीचे, ऊँचा, केवल, यहीं, फिलहाल, कल, पीछे, आज आदि।

6. पूर्वसर्ग – വിഭക്തി പ്രത്യായം

पूर्वसर्गः- एक शब्द या शब्दों का समूह है जिसका उपयोग संज्ञा, सर्वनाम या संज्ञा वाक्यांश से पहले दिशा, समय, स्थान, स्थानिक संबंध दिखाने या किसी वस्तु का परिचय देने के लिए किया जाता है।

पूर्वसर्गः- നാമത്തിനോ സർവ്വനാമത്തിനോ മുന്നിലായി ചേർക്കുന്ന ശബ്ദം

उदाहरणः- पार, के माध्यम से, में, ऊपर, नीचे, ऊपर, अतीत, चारों ओर

7. संयोजन - യോജകം

संयोजनः- संयोजन का मतलब है जोड़ने या मिलाने की क्रिया. संयोजन शब्द का इस्तेमाल वाक्य, वाक्यांश या अन्य शब्दों के हिस्सों को जोड़ने के लिए किया जाता है।

संयोजनः- യോജിപ്പിക്കുന്ന ശബ്ദം

उदाहरणः- और, लेकिन, या का इस्तेमाल अकेले किया जाता है, जबकि, न तो/न ही, या तो/या संयोजक जोड़े हैं।

8. विस्मयादिबोधक – വിസ്മയാദിബോധകം

विस्मयादिबोधकः- जिन वाक्यों में आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा आदि के भाव व्यक्त हों, उन्हें विस्मय बोधक वाक्य कहते हैं इन वाक्यों में सामान्यत विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का उपयोग किया जाता है।

विस्मयादिबोधकः- വിസ്മയം, സന്തോഷം, സങ്കടം, വെറുപ്പ് തുടങ്ങിയ ഭാവങ്ങളെ വ്യക്തമാക്കുന്ന ശബ്ദം

उदाहरणः-1. अरे। पीछे हो जाओ, गिर आओगे।

2. हाय ! वह भी मार गया।

3. हाय ! अब मैं क्या करूं।

4. अरे तुम कब आ गया !

5. वाह ! तुमने तो कमाल कर दिया।

कुछ आधुनिक व्याकरणों में निर्धारक और लेख को भी भाषण के भागों में शामिल किया गया है।

2.5.1.3 भाषण को तीन प्रमुख भागों में बांटा जाता है:

1. परिचय
2. मुख्य भाग
3. निष्कर्ष

2.5.1.4 भाषण के प्रकार:

1. प्रेरक
2. मनोरंजक
3. सूचनात्मक

2.5.1.5 भाषण कला के मुख्य तत्व:

1. **विषय** : भाषण का विषय स्पष्ट और संक्षिप्त होना चाहिए।

2. **श्रोता** : भाषण के श्रोताओं की आवश्यकताओं और रुचियों को ध्यान में रखना चाहिए।

3. **भाषा** : भाषण में उपयोग की जाने वाली भाषा स्पष्ट, सरल और प्रभावी होनी चाहिए।

4. **शैली** : भाषण की शैली आकर्षक और प्रभावी होनी चाहिए।

5. **आवाज**: भाषण में उपयोग की जाने वाली आवाज स्पष्ट, संतुलित और प्रभावी होनी चाहिए।

2.5.1.6 भाषण कला के लाभ:

1. **आत्मविश्वास (ആത്മവിശ്വാസം)**: भाषण कला हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है।
2. **संचार (ആശയവിനിമയം)**: भाषण कला हमें दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से संचार करने में मदद करती है।
3. **नेतृत्व (നേതൃത്വപാടവം)**: भाषण कला हमें नेतृत्व की भूमिका निभाने में मदद करती है।
4. **व्यक्तिगत विकास (വ്യക്തിത്വവികസനം)**: भाषण कला हमें व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करती है।

2.5.1.7 भाषण कला के प्रकार

भाषण कला एक महत्वपूर्ण कला है, जिसमें हम अपने विचारों और भावनाओं को दूसरों के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हैं। भाषण कला के कई प्रकार होते हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख प्रकार निम्नलिखित हैं:

1. **आकस्मिक भाषण(ആകസ്മിക ഭാഷണം)**: आकस्मिक भाषण वह होता है,जो बिना तैयारी के दिया जाता है। इसमें वक्ता अपने विचारों और भावनाओं को तुरंत प्रस्तुत करता है।
2. **पूर्व-नियोजित भाषण (പൂർവ്വ ആസൂത്രിത ഭാഷണം)**: पूर्व-नियोजित भाषण वह होता है, जो पहले से तैयार किया जाता है। इसमें वक्ता अपने विचारों और भावनाओं को व्यवस्थित और संगठित ढंग से प्रस्तुत करता है।
3. **आधिकारिक भाषण (ആധികാരികമായ ഭാഷണം)**: आधिकारिक भाषण वह होता है, जो किसी आधिकारिक अवसर पर दिया जाता है। इसमें वक्ता अपने विचारों और भावनाओं को औपचारिक और संरचित ढंग से प्रस्तुत करता है।
4. **अनौपचारिक भाषण (അനൗപചാരികമായ ഭാഷണം)**: अनौपचारिक भाषण वह होता है, जो किसी अनौपचारिक अवसर पर दिया जाता है। इसमें वक्ता अपने विचारों और भावनाओं को अनौपचारिक और स्वतंत्र ढंग से प्रस्तुत करता है।
5. **प्रेरक भाषण (പ്രചോദനാത്മകമായ ഭാഷണം)**: प्रेरक भाषण वह होता है, जो श्रोताओं को प्रेरित और उत्साहित करने के लिए दिया जाता है। इसमें वक्ता अपने विचारों और भावनाओं को प्रेरक और उत्साहजनक ढंग से प्रस्तुत करता है।
6. **विवादास्पद भाषण (വിവാദാസ്പദമായ ഭാഷണം)**: विवादास्पद भाषण वह होता है, जो किसी विवादास्पद विषय पर दिया जाता है। इसमें वक्ता अपने विचारों और भावनाओं को तर्कसंगत

और विश्लेषणात्मक ढंग से प्रस्तुत करता है।

7. **शैक्षिक भाषण (വിദ്യാഭ്യാസപരമായ ഭാഷണം)**: शैक्षिक भाषण वह होता है, जो किसी शैक्षिक विषय पर दिया जाता है। इसमें वक्ता अपने विचारों और भावनाओं को शैक्षिक और ज्ञानवर्धक ढंग से प्रस्तुत करता है।

Recap / पुनरावृत्ति

- अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता को भाषण कहते हैं
- भाषण के विभिन्न भागों को शब्द वर्ग भी कहा जाता है
- भाषण के आठ भाग हैं:
- आधुनिक व्याकरणों में निर्धारक और लेख को भी भाषण के भागों में शामिल किया गया है।
- भाषण में उपयोग की जाने वाली भाषा स्पष्ट, सरल और प्रभावी होनी चाहिए।
- भाषण कला हमें आत्मविश्वास प्रदान करती है।
- भाषण कला हमें व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करती है।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भाषण का समानार्थी शब्द क्या है?
2. भाषण के कितने भाग हैं?
3. नामवाचक शब्द को क्या कहते हैं?
4. सर्वनाम किसे कहते हैं?
5. जोड़ने या मिलाने की क्रिया किसे कहते हैं?
6. भाषण को कितने भागों में बांटा जाता है?
7. क्रियाविशेषण किसे कहते हैं?
8. वाह ! तुमने तो कमाल कर दिया। यह किस प्रकार का वाक्य है?

Answers / उत्तर

1. संचार, बातचीत, बोलचाल
2. आठ
3. संज्ञा
4. संज्ञा के बदले प्रयुक्त शब्द
5. संयोजन
6. तीन प्रमुख
7. क्रिया की विशेषता प्रकट करनेवाले शब्द
8. विस्मयादिबोधक

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. भाषण किसे कहते हैं? भाषण के अंग समझाइए।
2. भाषण के प्रकारः समझाइए।
3. किसी भी विषय पर एक भाषण तैयार कीजिए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. व्यावहारिक हिन्दी और रचना : कृष्णा कुमार गोस्वामी।
2. व्यावहारिक हिन्दी शुद्ध प्रयोग : डॉ. ओमप्रकाश।
3. शैक्षिक व्याकरण और हिन्दी : कृष्ण कुमार गोस्वामी।
4. व्यावहारिक सामान्य हिन्दी : डॉ. सविता पाईवाल।

SGOU

Model Question Paper Sets

SGOU

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

QP CODE: ……… Reg. No : ……….............

Name : ………………...

GENERIC ELECTIVE COURSE - HINDI
FOR UG PROGRAMMES

B21HD01GE- व्यावहारिक हिन्दी
(CBCS - UG) - Set A
2022-23 - Admission Onwards

Time: 3 Hours Max Marks: 70

SECTION A

किन्हीं दस (10) **प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य या शब्द में दें। प्रत्येक प्रश्न** 1 **अंक का होता है।**

(1×10 = 10 Marks)

1. राजा मिदास अपने खजाने में बैठते समय वहाँ कौन आया?
2. तुम्हारा नाम क्या है?
3. मिदास के रोते समय वहाँ कौन आई?
4. किसका दिल पिघलने लगा?
5. रोगी की चिकित्सा कौन करता है?
6. कौन सोने की मूर्ति बन गई थी?
7. बूढ़ी औरत कैसी थी?
8. अंधी माँ की सबसे अच्छी संगत कौन था?
9. हमें अपनी धीमी गति से भी क्या करना चाहिए?
10. अंधी बूढ़ी औरत कहानी से क्या सीख मिलती है?
11. कौन सो रहा था?
12. अंधी माँ के अकेलेपन को कौन दूर करता था?
13. गाँव के लोगों से माफी माँगी। कौन?
14. किसने सोचा कि वह आसानी से जीत जाएगा?
15. पुस्तकालयों में हम क्या तलाशते हैं?

SECTION - B

किन्हीं पाँच (5) **प्रश्नों के उत्तर दो या दो से अधिक शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न** 2 **अंक का होता है।**

(2×5=10 Marks)

16. नदी पार करते समय गधा को क्या हुआ?
17. सड़क पर हम किसकी जानकारी लेते हैं?
18. गधे की पीठ का बोझ पहले से कई गुना बढ़ गया। कैसे?
19. स्कूलों में बात चीत का मुख्या उद्देश्य क्या है?

20. व्यापारी और गधा नामक कहानी का सन्देश क्या है?

21. हिन्दी में संवाद की शुरुआत कैसे होते हैं? उदाहरण दीजिए

22. हिन्दी में संवाद करते वक्त किन-किन बातों का ध्यान देना चाहिए

23. अस्पताल संवाद में कौन-कौन भाग लेते हैं? और उसका विषय क्या है?

24. साक्षात्कार क्या है और आमतौर पर किन-किन का साक्षात्कार लिया जाता है?

25. सामान्य हिन्दी संवाद में किन-किन विषयों पर बात की जाती है?

SECTION - C

किन्हीं छह (6) प्रश्नों के उत्तर एक पृष्ठ के अंदर दें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होता है।

(5×6= 30 Marks)

26. "अत्यधिक लालच करने से हमारे पास जो होता है वह भी नष्ट होता है"- लालची राजा कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

27. सच्चे दिल और नेक इरादों से बड़ी से बड़ी अंधकार भरी परिस्थिति को भी रोशनी में बदला जा सकता है। सिद्ध कीजिए।

28. गधे का बोझ काफी हल्का हो गया कैसे?

29. "मूर्ख प्राणी, तू मुझसे चालाकी करता है। मैं तुझे सबक सिखाए बिना नही रहूगाँ।" यह किसका कथन है? किससे?

30. व्यापारी रोज सुबह अपने गधे पर नमक की बोरियाँ लादकर कहाँ जाया करता था।

31. गधे की पीठ का बोझ पहले से कई गुना बढ़ गया। कैसे?

32. घर में पिता एवं बेटी के बीच हुए वार्तालाप तैयार कीजिए।

33. मीना बाजार में फल लेने जाती है। मीना एवं दुकानदार के बीच संभावित वार्तालाप तैयार कीजिए।

34. वार्षिक महोत्सव के संबंध में स्कूल में दो अध्यापकों के बीच हुए वार्तालाप कल्पना करके लिखिए।

35. रेलवे स्टेशन में यात्री एवं टिकट वाले के बीच में संभावित वार्तालाप तैयार कीजिए।

36. अपनी नई पुस्तक की लोकार्पण की अवसर पर किसी युवा साहित्यकार की साक्षात्कार तैयार कीजिए।

37. आपके मनपसंद फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार प्रस्तुत कीजिए।

SECTION - D

किन्हीं दो (2) प्रश्नों के उत्तर दो पृष्ठों के अंदर दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होता है।

(10×2=20 Marks)

38. पूरा करें- घर में एक अंधी रहती थी.........

39. व्यापारी और गधा नमक कहानी लिखिए।

40. रेलवे स्टेशन में यात्री एवं टिकट वाले के बीच में संभावित वार्तालाप तैयार कीजिए।

41. अस्पताल में बीमार एवं डॉक्टर के बीच हुए वार्तालाप प्रस्तुत कीजिए।

SGOU

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

QP CODE: ……… Reg. No : ………..............

Name : ………………...

GENERIC ELECTIVE COURSE - HINDI
FOR UG PROGRAMMES

B21HD01GE- व्यावहारिक हिन्दी
(CBCS - UG) - Set B
2022-23 - Admission Onwards

Time: 3 Hours Max Marks: 70

SECTION A

किन्हीं दस (10) **प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य या शब्द में दें। प्रत्येक प्रश्न** 1 **अंक का होता है।**

(1×10 = 10 Marks)

1. पुत्री को छोड़कर राजा को दूसरी कोई प्यारी वस्तु संसार में क्या थी?
2. विद्यार्थी पढने केलिए कहाँ जाते हैं?
3. "मैं तो चाहता हूँ कि मैं जिस वस्तु को हाथ से स्पर्श करूँ वही सोने की हो जाए।' यह किसने कहा?
4. "मैं एक भिखारी हूँ, मुझे खाना चाहिए।" यह किसने कहा?
5. बूढ़ी औरत कैसी थी?
6. किन्हीं दो फलों का नाम बताइए?
7. राजा ने भोजन को हाथ लगाया तो वह भोजन क्या बन गया?
8. कौन सोने की मूर्ति बन गई थी?
9. नमक के व्यापारी को गधे पर बहुत गुस्सा आया। क्यों?
10. व्यापारी और गधा नमक कहानी का सन्देश क्या है?
11. अंधी माँ के पास लौटकर चोर ने क्या कहा?
12. अपनी विशिष्ट पहचान बनाने का सशक्त माध्यम क्या है?
13. अंधी माँ के अकेलेपन को कौन दूर करता था?
14. हिन्दी में संवाद करते समय ध्यान रखने की बात क्या है?
15. "आओ, बेटा, भूख से बड़ा पाप कुछ नहीं।" यह किसने कहा?

SECTION - B

किन्हीं पाँच (5) **प्रश्नों के उत्तर दो या दो से अधिक शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न** 2 **अंक का होता है।**

(2×5=10 Marks)

16. संवाद को बेहतर बनाने के लिए क्या करना चाहिए?
17. साक्षात्कार क्या है और आमतौर पर किन-किन का साक्षात्कार लिया जाता है?
18. किसी कवि का साक्षात्कार करने से क्या समझ सकते हैं?
19. वरिष्ठ कवि किस प्रकार आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं?

20. अभिनेता की साक्षात्कार करने से हमें क्या-क्या जानकारियाँ प्राप्त होता है?
21. लालची राजा कहानी का संदेश क्या है?
22. भाषण किसे कहते हैं?
23. भाषण के 8 भाग कौन-कौन से हैं?
24. खरगोश और कछुए ने दौड़ लगायी...कहानी का सन्देश क्या है?
25. भाषण कला के लाभ क्या क्या हैं?

SECTION - C

किन्हीं छह (6) प्रश्नों के उत्तर एक पृष्ठ के अंदर दें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होता है।

(5×6= 30 Marks)

26. वार्तालाप क्या है? इसकी विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
27. भाषण के भागों का परिचय दीजिए।
28. भाषण के प्रमुख भाग, प्रकार एवं भाषण कला के तत्वों का परिचय दीजिए।
29. भाषण कला के लाभ एवं भाषण कला के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।
30. लकड़हारा - कुल्हाड़ी - नदी में - देवता का प्रत्यक्ष - सोने का कुल्हाड़ी - असली कुल्हाड़ी - ईमानदारी - प्रसन्न देवता - आशीर्वाद देना - इन संकेतों के आधार पर कहानी लिखिए।
31. "अलसता बुरी आदत है" - पर आधारित एक कहानी की रचना कीजिए।
32. गाँव में हुई मारामारी के संबंध में दो मित्रों के बीच में हुए वार्तालाप तैयार कीजिए।
33. डाकघर में स्पीड पोस्ट भेजने के तरीके के बारे में गाँव वाला टॉक वाले से अन्वेषण करते हैं। उनके बीच संभावित वार्तालाप तैयार कीजिए।
34. ज्ञानपीठ पुरस्कृत साहित्यकार की साक्षात्कार तैयार कीजिए।
35. अस्पताल में बीमार एवं डॉक्टर के बीच हुए वार्तालाप प्रस्तुत कीजिए।
36. पुस्तकालय में विद्यार्थी मेंबरशिप के संबंध में लाइब्रेरियन से पूछताछ करता है। वह संभाषण कल्पना करके लिखिए।
37. आपके मनपसंद फिल्म अभिनेत्री से साक्षात्कार प्रस्तुत कीजिए।

SECTION - D

किन्हीं दो (2) प्रश्नों के उत्तर दो पृष्ठों के अंदर दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होता है।

(10×2=20 Marks)

38. कहानी पूरा करें- एक राजा था.....
39. अंधी बूढ़ी माँ की कहानी अपनी शब्दों में लिखिए ।
40. बाज़ार में होनेवाले वार्तालाप लिखिए ।
41. आपके मनपसंद फिल्म अभिनेता से साक्षात्कार प्रस्तुत कीजिए।

സർവ്വകലാശാലാഗീതം

വിദ്യയാൽ സ്വതന്ത്രരാകണം
വിശ്വപൗരരായി മാറണം
ഗ്രഹപ്രസാദമായ് വിളങ്ങണം
ഗുരുപ്രകാശമേ നയിക്കണേ

കൂരിരുട്ടിൽ നിന്നു ഞങ്ങളെ
സൂര്യവീഥിയിൽ തെളിക്കണം
സ്നേഹദീപ്തിയായ് വിളങ്ങണം
നീതിവൈജയന്തി പാറണം

ശാസ്ത്രവ്യാപ്തിയെന്നുമേകണം
ജാതിഭേദമാകെ മാറണം
ബോധരശ്മിയിൽ തിളങ്ങുവാൻ
ജ്ഞാനകേന്ദ്രമേ ജ്വലിക്കണേ

കുരീപ്പുഴ ശ്രീകുമാർ

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Regional Centres

Kozhikode
Govt. Arts and Science College
Meenchantha, Kozhikode,
Kerala, Pin: 673002
Ph: 04952920228
email: rckdirector@sgou.ac.in

Thalassery
Govt. Brennen College
Dharmadam, Thalassery,
Kannur, Pin: 670106
Ph: 04902990494
email: rctdirector@sgou.ac.in

Tripunithura
Govt. College
Tripunithura, Ernakulam,
Kerala, Pin: 682301
Ph: 04842927436
email: rcedirector@sgou.ac.in

Pattambi
Sree Neelakanta Govt. Sanskrit College
Pattambi, Palakkad,
Kerala, Pin: 679303
Ph: 04662912009
email: rcpdirector@sgou.ac.in

व्यावहारिक हिन्दी

COURSE CODE: B21HD01GE

ISBN 978-81-982562-1-8

Sreenarayanaguru Open University
Kollam, Kerala Pin- 691601, email: info@sgou.ac.in, www.sgou.ac.in Ph: +91 474 2966841

YouTube